डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः-सामने आई 'किसी का भाई किसी की जान' की टीजर रिलीज डेट, सलमान खान ने दी अपडेट

वर्ष -08 अंक -275 प्रयागराज मंगलवार, 24 जनवरी, 2023 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

सर्जिकल स्ट्राइक पर विवादित बयान से कांग्रेस की फजीहत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिग्विजय सिंह ने सोमवार को सर्जिकल स्ट्राइक विवादित बयान दे डाला। दिग्विजय ने जम्मू में रैली के दौरान सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांग

लिए। हालांकि, अब उन्होंने अपने बयान से किनारा किया है। उन्होंने कहा कि वह भारतीय जवानों का सम्मान करते हैं। सर्जिकल स्ट्राइक पर सबूत मांगे जाने के बयान से कांग्रेस की फजीहत हो रही है। भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश को पार्टी के बचाव में एक ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि आज वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह द्वारा व्यक्त किए गए विचार कांग्रेस पार्टी के नहीं, उनके व्यक्तिगत विचार हैं। 2014 से पहले यूपीए सरकार ने भी सर्जिकल स्ट्राइक की थी। राष्ट्रहित में सभी सैन्य कार्रवाइयों का कांग्रेस ने समर्थन किया है और आगे भी समर्थन करेगी। जम्मू में रैली खत्म होने के बाद पत्रकारों ने फिर उनसे सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर सवाल किए गए। इस दौरान दिग्विजय को बयान देने से रोका गया और पत्रकारों का माइक झटक दिया गया। दिग्विजय ने सिर्फ इतना कहा, ठहम सुरक्षाबलों का काफी सम्मान करते हैं और उनको सर्वोच्च स्थान देते हैं। गौरतलब है कि सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा जम्मू पहुंची थी।

तमिलनाडु में मंत्री को कुर्सी मिलने में देरी होने पर हंगामा

(आधुनिक समाचार सेवा)
चेन्नई। तमिलनाडु के मंत्री एस एम नसर को बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिलने पर उन्होंने हंगामा कर दिया। मंत्री ने कुर्सी मिलने में देरी होने पर कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। जानकारी के मुताबिक, मंत्री एस एम नसर ने बैठने के लिए कुर्सी लाने में देरी करने पर तिरुवल्लुर में पार्टी कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंका। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

संसद में 80 युवाओं से मिले पीएम मोदी, ऐतिहासिक हस्तियों की जीवनी पढ़ने की दी सलाह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस के मौके पर संसद में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह कुछ युवाओं से बातचीत सलाह भी दी। मोदी ने कहा कि वे अपने जीवन में किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं और उन्होंने इन चुनौतियों से कैसे पार पाया, यह जानने के लिए ऐतिहासिक हस्तियों की जीवनी

की। 'अपने नेता को जानो' कार्यक्रम के तहत चुने गए युवाओं से पीएम ने खुलकर बातचीत की। पीएम मोदी की सलाह पीएम ने युवाओं के साथ बातचीत में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन के विभिन्न पहलुओं और उनसे हम क्या सीख सकते हैं, पर चर्चा की। मोदी ने युवाओं को एक पढ़ें।वहीं, इस दौरान युवाओं ने पीएम से कहा कि विविधता में एकता क्या होती है। ये इस कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से इतने सारे लोगों के आने से समझ में आया है। कुछ युवाओं को पीएम से बातचीत का मौका भी मिला।

74 साल पुरानी किताब, नेताजी के अवशेषों को वापस लाने की मांग और सरकार कर रही ये काम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। देश भर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती मनाई गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पीएम मोदी ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी पर बनने वाले राष्ट्रीय स्मारक के मॉडल का अनावरण किया। साथ ही उन्होंने पराक्रम दिवस के अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अंडमान और निकोबार में 21 द्वीपों का नामकरण भी किया। इनका नाम 21 परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा गया है। इन वीरों में विक्रम बत्रा और अब्दुल हमीद जैसे नाम शामिल हैं। अब इन द्वीपों को परमवीर चक्र विजेताओं के नाम से जाना जाएगा। अपने वर्चुअल संबोधन में पीएम मोदी ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के महत्व को बताते हुए कहा कि अंडमान वो भूमि है जहां पहली बार तिरंगा फहराया गया था। जहां पहली बार स्वतंत्र भारत की सरकार बनी थी। आज सभी लोग आजाद हिंद फौज के पराक्रम की प्रशंसा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को देश पराक्रम दिवस के रूप में मनाता है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी का स्मारक अब लोगों के दिलों में और अधिक देशभक्ति का संचार करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि वीर सावरकर और देश के लिए लड़ने वाले कई अन्य नायकों को अंडमान की इस भूमि में कैद किया गया था। उन्होंने बताया कि 4-5 साल पहले जब वो पोर्ट ब्लेयर गए, तब उन्होंने वहां के 3 मुख्य द्वीपों के लिए भारतीय नाम समर्पित किए थे। प्रधानमंत्री ने ये भी कहा कि बीते 8-9 सालों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस से जुड़े ऐसे कितने काम देश में हुए हैं, जिन्हें आजादी के तुरंत बाद होना चाहिए था। पीएम मोदी ने दिल्ली में इंडिया गेट पर स्वतंत्रता सेनानी की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया था। इस बीच, सुभाष चंद्र बोस के जीवन से जुड़ी 74 साल पुरानी किताब सामने आई है। बताया जा रहा है कि 1949-50 में रक्षा मंत्रालयके लिए 'आईएनए के इतिहास' पर किताब लिखी गई थी। जिसे आज तक गोपनीय रखा गया है। इस किताब को दिवंगत प्रोफेसर प्रतुल चंद्र गुप्ता के नेतृत्व में इतिहासकारों की एक टीम ने संकलित किया था। शोधकर्ताओं ने जनता के लिए इसे जारी कराने का कई बार प्रयास किया। यहां तक कि केंद्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को आश्वासन भी दिया था कि वो इसे 2011 के जुलाई के अंततक प्रकाशित कर देगी। लेकिन ये संभव नहीं हो सका। किताब से जुड़ा का एक नोट सामने आया, जिसे टीएमसी सांसद व नेताजी के जीवन पर रिसर्च करने वाले शोधकर्ता सुखेंदु शेखर रे ने साझा किया था। नोट में बताया गया कि इस किताब के प्रकाशन से किसी भी देश के साथ भारत के संबंधों पर असर नहीं पड़ेगा। लेकिन नेताजी की मृत्यु से संबंधित इस किताब का पेज (186-191) अधिक विवादास्पद होने की संभावना है। नोट में ये भी कहा गया कि किताब के इन पन्नों में इस बात का जिक्र है कि सुभाष चंद्र बोस विमान दुर्घटना से जीवित बच गए हों। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। रहस्य का खुलासा किताब के प्रकाशन के बाद ही हो सकेगा।

74वां गणतंत्र दिवस होगा बेहद खास, परेड में दिखेगा 'मेड इन इंडिया' का जलवा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।भारत इस साल अपना 74वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। 26 जनवरी, 1950 को भारत ने संविधान अपनाया था इसलिए सभी भारतीयों के लिए ये दिन बेहद खास है। हर साल भव्यता के साथ

इस राष्ट्रीय पर्व को मनाया जाता है। इस दिन देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति भवन से लेकर इंडिया गेट तक आकर्षक परेड होती है। लेकिन इस बार गणतंत्र दिवस पर कुछ चीजें खास होने वाली हैं, जो पर पहली बार होंगी। तो चलिए आपको अपनी इस रिपोर्ट में बताते कुछ रोचक बातें। 1- 74वें गणतंत्र दिवस परेड में इस बार प्रदर्शित होने वाले सेना के सभी हथियार 'मेड इन इंडिया' होंगे। 21 तोपों की सलामी देसी 105एमएम इंडियन फील्ड गन्स से होगी। डियन फील्ड गन्स ब्रिटिश-युग की 25-पाउंडर तोपों की जगह लेंगी। ब्रिटिश तोपों का इस्तेमाल द्वितीय विश्व युद्ध में किया गया था। हालांकि, भारतीय तोपों का इस्तेमाल पिछले साल के स्वतंत्रता दिवस पर किया जा चुका है। लेकिन गणतंत्र दिवस पर पहली बार इनका उपयोग होगा। 2- इजिप्ट की एक सैन्य टुकड़ी और नव-भर्ती अग्निवीर पहली बार परेड में शामिल होंगे। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस पर पाकिस्तान से लगती रेगिस्तानी सीमा की रक्षा करने वाली महिला सैनिक बीएसएफ की ऊंट टुकड़ी का हिस्सा लेगी। रणनीतिक आधार पर तैनात महिला अधिकारी 'नारी शक्ति' का प्रदर्शन करने वाले नौसेना के 144 नाविकों के दल का नेतृत्व करेंगी। 3- परेड के लिए अपने आखिरी उड़ान के साथ नौसेना का आईएल-38 विमान इतिहास की किताबों में दर्ज हो जाएगा। इस समुद्री टोही विमान ने लगभग 42 वर्षों तक नौसेना की सेवा की है।

सिक्किम के पूर्व सीएम पवन चामलिंग के काफिले पर पथराव, भीड़ नियंत्रित करने में अधिकारियों के छूटे पसीने

(आधुनिक समाचार सेवा)
गंगटोक। सिक्किम में पूर्व मुख्यमंत्री के काफिले पर पथराव किया गया है। इस दौरान कई लोग घायल आसांगथांग स्थित शिरडी साई मंदिर में पूजा करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग कार्यक्रम स्थल पोकलोक कामरांग जा रहे

हुए हैं। जानकारी के अनुसार, सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग सिक्किम बचाओ अभियान के तहत वर्तमान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (पीएस गोले) के निर्वाचन क्षेत्र पोकलोक कामरांग के भ्रमण पर निकले थे। थे, लेकिन आसांगथांग स्कूल परिसर में घात लगाए बैठे सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) समर्थकों ने विपक्षी पार्टी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के समर्थकों पर पथराव कर दिया।

दिल्ली-हैदराबाद की फ्लाइट में एयर होस्टेस के साथ बदसलूकी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिल्ली से हैदराबाद जा रहे स्पाइसजेट के विमान में के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया केस दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस भी दर्ज कोरेंडन विमान को दिल्ली से हैदराबाद के निर्धारित किया गया था। दिल्ली में बोर्डिंग के दौरान,

एयर होस्टेस के साथ बदसलूकी करने वाले एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि स्पाइसजेट के सुरक्षा अधिकारी की शिकायत के बाद दिल्ली-हैदराबाद स्पाइसजेट फ्लाइट के आरोपी यात्री अबसार आलम को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसने फ्लाइट में सवार एक महिला चालक दल के सदस्य के साथ दुर्व्यवहार किया था। आरोपी किया गया है। बता दें कि एयर होस्टेस के साथ यात्री और उसके सहयात्री ने बदसलूकी की थी, जिसके बाद उन दोनों को विमान से नीचे उतार दिया गया था।जानकारी के अनुसार, सोमवार को स्पाइसजेट की एसजी-8133 दिल्ली-हैदराबाद उड़ान में एक यात्री ने केबिन क्रू को परेशान किया। स्पाइसजेट के अनुसार, 23 जनवरी 2023 को स्पाइसजेट के वेट-लीज्ड एक यात्री ने एयर होस्टेस के साथ बुरा व्यवहार किया। जिसके बाद उन्हें विमान से उतार दिया गया। पिछले कुछ महीनों में फ्लाइटों में यात्रियों के बुरे बर्ताव की कई घटनाएं हुई हैं। एयर इंडिया में पेशाब करने की घटना के अलावा 6 दिसंबर, 2022 को पेरिस से नई दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-142 में यात्रियों के दुर्व्यवहार की दो घटनाएं डीजीसीए के संज्ञान में आईं है।

'कांग्रेस को सुबूत चाहिए तो पाकिस्तान से मांगे' पूर्व विंग कमांडर प्रफुल्ल बख्शी का पलटवार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। वायुसेना के पूर्व अधिकारी विंग कमांडर प्रफुल्ल बख्शी ने कहा है कि गुलाम जम्मू-कश्मीर में की गई सर्जिकल स्ट्राइक का किसी तरह का सुबूत देने के लिए भारतीय सेना बाध्य नहीं है। सरकार को पता है कि सर्जिकल स्ट्राइक का विवरण साझा करना सेना की नीतियों के खिलाफ है। कांग्रेस को यदि सुबूत चाहिए, तो उसे पाकिस्तानियों से मांगना चाहिए। पूर्व विंग कमांडर ने कहा सेना कोई सुबूत नहीं देती है। सेना को कौन सा सुबूत देना चाहिए और क्यों देना चाहिए? यदि आप जानना चाहते हैं, तो पाकिस्तानियों से कहिए। यदि वे आपके मित्र हैं, तो आपको बताएंगे। यदि आपके मित्र नहीं हैं, तो नहीं बताएंगे। कोई भी व्यक्ति सेना को सुबूत देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। उन्होंने कहा यदि सरकार सुबूत देना चाहेगी, तो वह दे सकती है। सरकार यह भी जानती है कि ऐसा करना सेना की नीतियों के खिलाफ होगा। जिस स्थान को निशाना बनाया गया था, उसे पाकिस्तानियों ने चिह्नित कर दिया है। इसका कोई मतलब नहीं है कि कौन क्या कह रहा है मुझे लगता है कि यह कोई सवाल ही नहीं है। मीडिया को इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। प्रफुल्ल बख्शी के मुताबिक, सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। यह सेना का कर्तव्य है कि वह किसी को कोई जवाब नहीं दे। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है।

आईबी और रॉ की रिपोर्ट सार्वजनिक करना चिंत का विषयठ कॉलेजियम पर बोले किरेन रिजिजू

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जजों की नियुक्ति को लेकर सरकार और न्यायपालिका के बीच मतभेद जारी है। इस बीच, केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने आईबी और रॉ की रिपोर्ट सार्वजनिक करने को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस पर चिंता जाहिर की है गंभीर चिंता का विषय रिजिजू ने मंगलवार को कहा, सुप्रीम कोर्ट द्वारा आईबी और रॉ की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया गया है। ये गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसी के अधिकारी देश के लिए गुप्त तरीके से काम करते हैं। अगर उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाती है तो वे भविष्य में काम करने से दो बार

सोचेंगे। आईबी, रॉ की रिपोर्ट सार्वजनिक रिजिजू सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा प्रस्तावित कुछ सवालों का जवाब दे रहे थे। जिसमें हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए शीर्ष अदालत द्वारा अनुशंसित कुछ नामों पर आईबी और रॉ की रिपोर्ट को पिछले सप्ताह सार्वजनिक किया गया था। वहीं, किरेन रिजिजू ने एक बार फिर कहा कि सरकार और न्यायपालिका को साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार और न्यायपालिका के संयुक्त प्रयास से देश में लंबित मामलों की संख्या को कम करने में मदद मिलेगी।न्याय में देरी, न्याय से इनकार करनाः रिजिजू रिजिजू ने आगे कहा, आज कुल लंबित मामलों की संख्या 4.90 करोड़ है।

केरल सरकार ने कुर्क की 248 पीएफआई कार्यकर्ताओं की संपत्तियां

(आधुनिक समाचार सेवा)
कोच्चि। केरल सरकार ने सोमवार को केरल हाई कोर्ट को बताया है कि उन्होंने पिछले साल हुई हिंसा में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में प्रतिबंधित संगठन इझ्घ् के 248 कार्यकर्ताओं की संपत्ति कुर्क की है। इससे पहले हाई कोर्ट ने वसूली में देरी होने पर नाराजगी जताई थी। न्यायालय ने दिए थे वसूली के निर्देश इससे पहले राज्य सरकार ने दिसंबर में कोर्ट को आश्वासन दिया था कि 15 जनवरी तक वसूली पूरी कर ली जाएगी। इस पर हाई कोर्ट ने 18 जनवरी को राज्य सरकार को निर्देश दिए कि पीएफआई की हड़ताल के दौरान हुए नुकसान की वसूली करके 23 जनवरी तक जिले वार रिपोर्ट दी जाए। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि वसूली कार्यवाही से पहले नोटिस जारी करने की जरूरत नहीं है।न्यायालय के निर्देशानुसार राज्य के राजस्व विभाग ने प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के गिरफ्तार नेताओं की संपत्तियां कुर्क करने के लिए शुक्रवार को राज्यव्यापी अभियान शुरू किया। हाई कोर्ट के समक्ष आज दायर की गई कार्रवाई रिपोर्ट में गृह विभाग ने जानकारी दी है कि राज्य के मलप्पुरम जिले से सर्वाधिक वसूली की गई है। राज्य सरकार ने यह भी बताया कि जिले में कुर्क की गई संपत्तियों के संबंध में कुछ आपत्तियां प्राप्त हुई हैं और इनकी जांच की जाएगी। रविवार को केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी यूडीएफ की सहयोगी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने आरोप लगाया कि प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर सरकार आईयूएमएल के कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही है और हड़ताल के दौरान हिंसा में शामिल असली दोषियों को बचाया जा रहा है प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के नेताओं पर आरोप है कि संगठन के कार्यालयों पर देश भर में हुई छापेमारी और प्रतिबंध के बाद संगठन द्वारा बुलाई गई हड़ताल में हिंसा हुई और सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। राज्य सरकार द्वारा कोर्ट को दी गई जानकारी के अनुसार, हड़ताल के दौरान 86 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ। इसके अलावा हिंसा के दौरान 16 लाख रुपए की निजी संपत्ति का नुकसान हुआ। पुलिस ने इस संबंध में कुल 361 मामले दर्ज किए और 2,674 लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

दरोगा की कार से सरकारी पिस्टल ले उड़े चोर, महकमे मे मची खलबली

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां चोर एक दरोगा की कार से उसकी सरकारी पिस्टल

ले उड़े। घटना शनिवार रात हुई और रविवार देर रात तक पुलिस न तो पिस्टल बरामद कर सकी और न ही चोरों का कोई सुराग हासिल कर पाई थी। एसआई जगनारायण सिंह खुल्दाबाद थाने की कर्बला चौकी में बतौर प्रभारी तैनात हैं। सूत्रों का कहना है कि शनिवार रात वह अपनी कार से प्रयागराज जंक्शन के पास गए थे। इस दौरान अपनी सरकारी पिस्टल कार में ही छोड़कर पास ही स्थित एक दुकान पर चले गए। कुछ देर बाद वापस आने पर नजर कार की सीट पर पड़ी तो होश उड़ गए। वहां से उसकी सरकारी पिस्टल गायब थी। दरोगा काफी देर तक इधर-उधर तलाश करता रहे लेकिन पिस्टल का कुछ पता नहीं चला। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद इंस्पेक्टर व अन्य साथी पुलिसकर्मियों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद सभी पिस्टल तलाशने में जुट गए। हालांकि रविवार देर रात तक न तो पिस्टल बरामद हुई और न ही इसे उड़ाने वाले चोर का कोई सुराग मिल पाया था। खास बात यह है कि खुल्दाबाद पुलिस इस मामले को छिपाने में लगी रही। इंस्पेक्टर अनुराग शर्मा से पूछा गया तो उन्होंने कहा ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, न ही उन्हें इस तरह की कोई जानकारी है। उधर, डीसीपी नगर संतोष कुमार मीणा से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। फिलहाल ऐसी किसी घटना की जानकारी मुझे नहीं है। इस संबंध में इंस्पेक्टर व संबंधित पुलिसकर्मी से पूछताछ के बाद ही कुछ बता पाऊंगा।

माघ मेला पुलिस का सराहनीय कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। माघ मेला के संगम तट पर अपने परिवार के संग स्नान करने आयी काजल चौरसिया पुत्री राकेश चौरसिया निवासी रामनगर शुक्लागंज उन्नाव की निवासी हैं। दिनांक 22.01.2023 को काजल चौरसिया का पैसों व कागजात से भरा पर्स संगम महावीर मार्ग के आस पास कहीं गिर गया। काफी खोजबीन के बाद नहीं मिला, निराश होकर काजल द्वारा थाना संगम में अपना पर्स खो जाने की सूचना दी गई। संगम थाना प्रभारी द्वारा ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मचारीगणों व मेला कण्ट्रोल रूम को सूचित किया गया कि काजल चौरसिया का 2300 रुपये व पर्स कही खो गया है सूचना मिलने पर तत्काल सूचित करें। ड्यूटी के दौरान तैनात उप निरीक्षक सुजीत कुमार मय हमराह को एक लावारिस पर्स महावीर मार्ग पर मिला। मौके से थाना प्रभारी संगम को सूचित किया गया, आरक्षी द्वारा सूचना मिलने पर थाना प्रभारी द्वारा पर्स में पहचान पत्र के माध्यम से सम्बन्धित को सूचना दी गयी कि आपका पर्स पुलिस चौकी संगम माघ मेला के कार्यालय में रखा है आप आकर अपना पर्स ले जायें। काजल चौरसिया पुलिस चौकी संगम माघ मेला पहुंचकर उप निरीक्षक सुजीत कुमार के द्वारा 2300 रूपये व कागजात से भरा पर्स सम्बन्धित को पहचान कराकर वापस किया गया। मौके पर पैसा व पर्स पाकर काजल चौरसिया ने पुलिस के मानवीय कार्य की प्रसंशा की और आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र द्वारा पुलिस के इस सराहनीय कार्य की प्रसंशा की और उप निरीक्षक सुजीत कुमार मय हमराह को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

इस बार गर्मी में प्रयागराज से कई शहरों के लिए मिलेगी डायरेक्ट उड़ान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। संगमनगरी से इस बार गर्मी में कई शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू हो सकती है। जम्मू, गुवाहाटी, हैदराबाद, नागपुर, जयपुर, चेन्नई की उड़ान को ग्रीष्मकालीन शेड्यूल में जगह देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। होगा। पूर्व में इन शहरों के लिए एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक में प्रस्ताव भी दिया गया था, जिस पर अमल किया जा रहा है। वहीं, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु आदि के घटाए गए फेरों को भी पूर्व की स्थिति में लाने पर भी विचार किया जा रहा है। एयरपोर्ट सलाहकार समिति

इंडिगो, एलाइंस एयर के अलावा दो अन्य विमानन कंपनियों ने प्रयागराज से नए शहरों के लिए विमान सेवा उपलब्ध कराने के लिए मंत्रालय से संपर्क किया है। मार्च के आखिरी सप्ताह में ग्रीष्मकालीन शेड्यूल लागू होगा। यदि ऐसा होता है तो बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। अप्रैल से नई समय सारिणी के अनुसार ही विमानों का आवागमन की अध्यक्ष एवं सांसद केशरी देवी पटेल ने बताया कि उड्डयन मंत्री को भी प्रयागराज की जरूरत के अनुसार विमान सेवा उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा गया है। जो फेरे घटाए गए हैं, उन्हें बढ़ाने व नए शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का भी प्रस्ताव भेजा गया है। कोशिश है कि महाकुंभ से पहले मांगें पूरी हो जाएं।

नौ साल बाद मिला न्याय दुष्कर्म के मामले में तीन दोषियों को 20-20 साल की सजा

(आधुनिक समाचार सेवा)

कौशांबी। अपर जिला जज सप्तम नीरज कुमार उपाध्याय की अदालत ने सोमवार को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन आरोपितों को 20 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर एक लाख 14

हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। शासकीय अधिवक्ता शशांक खरे के मुताबिक करारी क्षेत्र के इंदिरा नगर निवासी एक व्यक्ति ने 13 जुलाई 2014 को करारी थाने में तहरीर दी थी। उसमें उसने आरोप लगाया कि खेत की ओर गई बेटी के साथ चार लोगों ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपितों गुलाम नूर का पूरा निवासी धन्ना पुत्र बाबूलाल, वीरेंद्र कुमार पुत्र बच्चा लाल, बच्चा लाल पुत्र बादल, संतोष पुत्र बाबूलाल के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया। विवेचक ने वीरेंद्र, धन्ना और संतोष के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। शासकीय अधिवक्ता ने मुकदमा के दौरान छह गवाहों को पेश किया। अपर जिला जज सप्तम नीरज कुमार उपाध्याय ने गवाहों के बयान सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद आरोपित वीरेंद्र कुमार, धन्ना और संतोष को 20-20 वर्ष का कठोर कारावास और एक लाख 14 हजार का अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

थाना खीरी पुलिस द्वारा 1 नफर अभि0 गिरफ्तार कब्जे से 20 ली0 नाजायज देशी शराब बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। थाना खीरी पुलिस द्वारा आज दिनांक 23.01.2023 को अभियुक्त लालजी निषाद पुत्र

स्व0 कालू निषाद नि0 ग्राम पिपरहटा थाना खीरी प्रयागराज को थाना खीरी क्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम पिपरहटा से ककराही जाने वाले मार्ग पर पड़ने वाले नाला पुलिया के पार वहद ग्राम पिपरहटा थाना खीरी जनपद प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त लालजी निषाद उपरोक्त के कब्जे से एक हरे रंग के पिपिया में 20 लीटर नाजायज देशी शराब बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना खीरी में मु0अ0सं0 08/2023 धारा 60 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । **गिरफ्तार अभियुक्त**-लालजी निषाद पुत्र स्व0 कालू निषाद उम्र करीब 55 वर्ष निवासी ग्राम पिपरहटा थाना खीरी जनपद प्रयागराज पंजीकृत अभियोग-मु0अ0सं0 08/2023 धारा 60 थाना खीरी पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज **बरामदगी**-एक हरे रंग की पिपिया में 20 लीटर नाजायज देशी शराब बरामद । **गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम**-1. उ0नि0 अवध कुमार गौतम थाना खीरी पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज 2. हे0का0 रशीद अहमद थाना खीरी पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज 3. हे0का0 त्रिवेन्द्र सिंह थाना खीरी पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज।

डिप्टी सीएम के निर्देश पर हटाए गए कौड़िहार सीएचसी के अधीक्षक तीन दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कौड़िहार में तैनात

अधीक्षक डा. अनुराग तिवारी को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर हटा दिया गया है। डा. अनुराग पर नशे की हालत में ड्यूटी करने और आशा कार्यकर्ताओं से अभद्रता का आरोप है। उनके साथ अस्पताल में तैनात स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी को भी हटा दिया गया है। पिछले दिनों आशा कार्यकर्ताओं ने सीएमओ कार्यालय पहुंचकर यह शिकायत की थी। स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी कुछ दिनों पहले पत्र दिया था। उप मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के संबंध में ट्वीट करके जानकारी सार्वजनिक की। प्रकरण की जांच भी होगी।आशा कार्यकर्ता संघ की अध्यक्ष कल्पना ने सीएमओ डा. आशू पांडेय को शिकायती पत्र दिया था। इसमें अधीक्षक डा. अनुराग तिवारी और स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (एचईओ) दिनेश लाल यादव पर गंभीर आरोप लगाए थे। कहा गया था कि जब आशा कार्यकर्ताएं, गर्भवती को लेकर रात में अस्पताल पहुंचती हैं तो डा. अनुराग व दिनेश लाल नशे की हालत में मिलते हैं। आशा कार्यकर्ताओं से दुर्व्यवहार करते हैं। यही शिकायत हालांकि पूर्व सीएमओ डा. नानक सरन से भी की गई थी लेकिन तब अनुराग तिवारी पर मेहरबानी रही और वो अपने पद पर बने रहे।उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने आफिशियल एकाउंट पर ट्वीट करके सीएमओ प्रयागराज को निर्देशित किया कि सीएचसी अधीक्षक और एचईओ को तत्काल प्रभाव से हटा दें, आरोप की जांच कर तीन दिनों में रिपोर्ट भेजें।

रामचरित मानस का अपमान करने वाले स्वामी प्रसाद धूर्त

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बतौर मुख्य अतिथि राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद महाराज ने कहा कि रामचरित मानस पर इस तरह की टिप्पणी का किसी को अधिकार नहीं है। स्वामी प्रसाद मौर्य बड़े धूर्त हैं। उन्हें इसके लिए जनता दंड देगी। माघ मेले में सोमवार को ऋषिकेष के स्वामी कृष्णाचार्य के शिविर में हुए संत सम्मेलन में सनातन संस्कृति पर हमले को लेकर चिंता जताई गई। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के बाद सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर से रामचरित मानस को बकवास बताने और इस ग्रंथ पर रोक लगाने वाली टिप्पणी पर संतों में उबाल की स्थिति रही। बतौर मुख्य अतिथि राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र

के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद महाराज ने कहा कि रामचरित मानस पर इस तरह की टिप्पणी का किसी को अधिकार नहीं है। स्वामी प्रसाद मौर्य बड़े धूर्त हैं। उन्हें इसके लिए जनता दंड देगी। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे रामानुजाचार्य विद्याभास्कर वासुदेवाचार्य ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे लोगों का कोई चरित्र नहीं है। ये वोट के चटोरे हैं। राम चरित मानस का उन्होंने जिस तरह अपमान किया है, उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। इस दौरान संतों ने गंगा निर्मलीकरण के अलावा भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का भी मुद्दा उठाया। इस सम्मेलन का विषय था- संत हृदय नवतीत समाना।

बीएचएस के छात्रों के झगड़े में बवाल, फायरिंग और बमबाजी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बीएचएस (ब्वायज हाईस्कूल) में बारहवीं के छात्रों की फेयरवेल पार्टी में अवार्ड को लेकर हुए विवाद में रविवार रात कटरा में एक छात्र के घर में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ के बाद फायरिंग और बमबाजी की गई। पथराव में गाड़ियों के कांच टूट गए। चार-पांच लोग मामूली जख्मी भी हुए। खबर पाकर पुलिस पहुंची तो दोनों पक्षों के लोग और छात्र कर्नलगंज थाने पहुंचे। थाने पर देर तक बातचीत के बाद समझौता हो गया और किसी पक्ष ने एफआइआर नहीं लिखाई।

यूपी दिवस पर उद्यमियों/मेधावियों को किया जायेगा सम्मानित-डॉ0नितिन बंसल

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि जनपद के तुलसीसदन (हादीहाल) में दिनांक 24 से 26 जनवरी 2023 तक ''उत्तर प्रदेश दिवस-2023'' को भव्यता के साथ मनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं के स्टाल लगाये जायेगें। उन्होने ''उत्तर प्रदेश दिवस'' के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सम्बन्ध में बताया है कि दिनांक 24 जनवरी को पूर्वान्ह 10.30 बजे से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों/मेधावियों को सम्मानित किया जायेगा, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र/स्वीकृति पत्र का वितरण, जिला इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जायेगा जिसके अन्तर्गत जनपद में निवेश प्रस्ताव प्राप्त किया जायेगा, इसी के साथ विभिन्न विभागों के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों से अवगत कराया जायेगा व निवेश करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया जायेगा। कृषि विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों के जानकारी, कृषि रक्षा रसायनों, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर चर्चा आदि की जानकारी दी जायेगी। कार्यक्रम में उद्यान विभाग द्वारा औद्यानिक योजनाओं पर जानकारी, पीएमएफएमई योजनान्तर्गत कृषकों को स्वीकृत पत्र, पावर ट्रिलर वितरण, पशुपालन विभाग द्वारा गोवंश संरक्षण, सहभागिता योजना एवं कुक्कुट विकास नीति के सम्बन्ध में जानकारी दी जायेगी। मत्स्य विभाग, लघु सिंचाई विभाग द्वारा भी अपने-अपने योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी जायेगी। दिनांक 25 जनवरी को मतदाता जागरूकता शपथ कार्यक्रम एवं रैली निकाली जायेगी, परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की जायेगी, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति पर संगोष्ठी व अन्य कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आशा बहु एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से सम्बन्धित विषयों पर संगोष्ठी, महिला कल्याण द्वारा महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी, ग्राम्य विकास/पंचायती राज विभाग द्वारा सफलतम स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा, ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानों को सम्मानित किया जायेगा। दिनांक 26 जनवरी को युवा कल्याण एवं नेहरू युवा केन्द्र द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, समाज कल्याण/अल्पसंख्यक/दिव्यांगजन विभाग द्वारा सोशल सेक्टर से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी के साथ अभ्युदय योजना पर चर्चा, दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपकरण का वितरण किया जायेगा। कौशल विकास/आई0टी0आई0/पालीटेक्निक द्वारा कौशल विकास मिशन एवं विभिन्न तकनीकी ट्रेडस के अन्तर्गत स्वरोजगार के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की जायेगी। इसी प्राकर श्रम विभाग एवं नगर विकास विभाग द्वारा अपनी योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम के सकुशल एवं सफल सम्पादन हेतु नोडल अधिकारियों को नामित कर दिया गया है जो दिनांक 24 से 26 जनवरी तक चलने वाले त्रिदिवसीय कार्यक्रम को सम्पन्न करायेंगे।

राजेश्वरीमहिलामहाविद्यालय में सुभाषचन्द्रबोस की जयन्ती पर संगोष्ठी सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
हरहुआ /वाराणसी। स्थित बैजलपट्टी राजेश्वरी महिला महाविद्यालय में आज प्रबंधक निदेशक साहित्यकार डॉ राघवेन्द्र नारायण सिंह की अध्यक्षता में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। साहित्यकार डॉ राघवेन्द्र

नारायण ने अपने सम्बोधन में छात्राओं और शिक्षकों से विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सुभाष चन्द्र बोस बहुमुखी प्रतिभा के अप्रतिम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और बलिदानी थे जिनका व्यक्तित्व गांधी जी के समानान्तर या उससे भी अधिक आयामी था। सुभाष बाबू के जीवन पर विशद चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि चौदह सन्तानों में वे अपने माता पिता की नौवीं सन्तान थे। उनका योगदान भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में अहम था। अंग्रेजों ने उनको अपना सबसे बड़ा शत्रु समझकर उन्हें देश से बाहर रखने की कोशिश की। लेकिन सुभाष चन्द्र बोस ने बाहर से भी उनपर आक्रमण किया और अन्ततः अंग्रेजी शासन का अन्त उनकी खौफ की वजह से ही हुआ। साहित्यकार डॉ राघवेन्द्र नारायण ने सुभाष चन्द्र बोस पर स्वामी विवेकानन्द के विचारों की छाप का जिक्र करते हुए कहा कि बारह साल की अवस्था में ही उन्होंने विवेकानन्द के सम्पूर्ण साहित्य का अध्ययन कर लिया था। स्वामी विवेकानन्द महर्षि अरविन्द और स्वामी दयानन्द सरस्वती उनके आदर्श रहे। आज के युवा यदि विवेकानन्द और सुभाष चन्द्र बोस को अपना आदर्श बना लें तो भारत विश्व गौरव हासिल कर सकता है। सुभाष चन्द्र बोस ने अपने पिता की इच्छा को पूर्ण करने के लिए आई सी एस की परीक्षा इंग्लैड जाकर कठिन परिस्थितयों में चौथी रैंक के साथ उत्तीर्ण की थी। लेकिन उन्होंने यह कहकर अपना इस्तीफा ब्रिटिश हुकूमत को दे दिया था कि वे ब्रितानी हुकूमत की गुलामी नहीं कर सकते और भारत वापस लौट कर स्वतंत्रता आन्दोलन में कूद पड़े। उनको ग्यारह बार जेल की सजा हुई और अन्ततः जेल से ही वे वेश बदलकर विदेश जाकर जापान के सहयोग से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जंग करते हुए अन्डमान निकोबार समूह पर कब्जा कर लिए और अपना झंडा फहरा चुके थे। इस तरह अंग्रेजी हुकूमत पर पहला वङ्का प्रहार सुभाष चन्द्र बोस ने ही किया था। यदि तत्कालीन नेतृत्व ने सुभाष चन्द्र बोस का साथ दिया होता तो भारत विभाजन की पटकथा नहीं लिखी गई होती। आजाद हिन्द फौज और आजाद हिन्द रेडियो उनकी योजना के प्रमुख अंग थे। महात्मा गाँधी से उनके मतभेद नीतिगत थे। गांधी की इच्छा के विरुद्ध भी उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना उनकी काबिलियत और लोकप्रियता का बेहतरीन साक्ष्य है। बाद में गांधी जी की असहयोगात्मक रवैये के कारण उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर फारवार्ड ब्लाक की स्थापना के माध्यम से अपनी मुहिम जारी रखी। गांधी जी से मतभेद के बावजूद उन्होंने गांधी को राष्ट्र पिता कहा था और गांधी जी ने उन्हें नेता जी कहकर सम्बोधित किया था। साहित्यकार डॉ राघवेन्द्र नारायण ने छात्राओं से कहा कि वे सुभाष चन्द्र बोस की रानी लक्ष्मीबाई रेजिमेंट को नहीं भूलें क्यों कि यह सुभाष चन्द्र बोस की स्त्रियों के प्रति प्रगतिशील सोच को दर्शाता है। आज के भारत में सुभाष चन्द्र बोस और भी प्रासंगिक हो गये हैं। उनके बतलाए गये मार्ग पर चलकर भारत की तमाम समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। वे युवा ऊर्जा के प्रतीक थे ,आज भी हैं और कल भी रहेंगे। साहित्यकार डॉ राघवेन्द्र नारायण ने सुभाष चन्द्र बोस पर और परिचर्चा की आवश्यकता पर बल दिया और उनके सर्वांग साहित्य को प्रचारित प्रकाशित करके युवाओं और जनमानस तक पहुंचाने की आवश्यकता पर सरकार को पहल करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम में समस्त शिक्षकों कर्मचारियों और छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुमन सिंह और धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के उपनिदेशक अंशुमान सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ शालिनी नाग,प्रियंका सिंह, प्रियंका श्रीवास्तव,बी एन पांडेय,बसन्ती देवी, इकबाल अहमद डॉ संतोष श्रीवास्तव इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

नेपाल विमान हादसे में जान गंवाने वाले चारों युवकों के शव आज आठ दिन बाद पहुंचे गाजीपुर

(आधुनिक समाचार सेवा)
कासिमाबाद (गाजीपुर)। नेपाल विमान हादसे में जान गंवाने वाले यूपी के गाजीपुर ज?ले के चार युवकों के शव आज आठ दिनों की दुश्वारियां झेलने के बाद गाजीपुर पहुंचे। नेपाल सरकार ने विमान हादसे में मृत जिले के चारों युवकों के शव सोमवार देर रात स्वजन को सौंप दिए। स्वजन चार एंबुलेंस से शव लेकर चले थे और। मंगलवार सुबह चारो के शव गांव पहुंच गए। 15 जनवरी को नेपाल में यति एयरलाइंस का विमान काठमांडू से पोखरा जाने के दौरान दुर्घटनास्त हो गया था। विमान में सवार जिले के चारों युवकों चकजौनब निवासी सोनू जायसवाल, अनिल राजभर, अलावलपुर निवासी विशाल शर्मा तथा धरवां निवासी अभिषेक कुशवाहा की मौत हो गई थी।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी बोले- 'घाटा खत्म होने पर तेल कंपनियों से कीमतें कम करने को कहूंगा'

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि बीते नौ महीने से देश में तेल की कीमतों में

वृद्धि नहीं हुई है। इनकी कीमतें घटाने का अधिकार सरकार के पास है भी नहीं। मगर, मैं तेल कंपनियों से अनुरोध करूंगा कि यदि अंतरराष्ट्रीय कीमतें नियंत्रण में हैं और घाटा खत्म होता है तो कीमतें कम कर दें। तेल कंपनियों ने बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला- पुरी केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी रविवार को वाराणसी में नमो घाट पर आयोजित सीएनजी बोट रैली के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतें बढ़ीं, लेकिन तेल कंपनियों ने इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला। डीजल की कीमतें दिसंबर, 2021 से दिसंबर, 2022 के बीच केवल तीन प्रतिशत बढ़ीं। अमेरिका में यह वृद्धि 34, कनाडा में 36, स्पेन में 25, स्पेन में 25 और ब्रिटेन में 10 प्रतिशत रही। दिसंबर 2021 में देश में डीजल 86.67 रुपये प्रति लीटर था, जो एक साल बाद 89.62 रुपये हो गया। पेट्रोल 95.41 रुपये से बढ़कर 96.72 रुपये प्रति लीटर हो गया।हरदीप पुरी ने कहा कि सरकार ने 2020 में पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 13 रुपये और डीजल पर 15 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी, जब महामारी में वैश्विक ऊर्जा कीमतों को कम कर दिया था। उत्पाद शुल्क में यह वृद्धि नवंबर 2021 और मई 2022 में दो किस्तों में वापस ले ली गई। कुछ राज्यों ने भी ईंधन पर वैट या स्थानीय बिक्री कर में कटौती की। सरकार 2025 तक तेल अन्वेषण क्षेत्र को पांच लाख वर्ग किलोमीटर और 2030 तक 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने का लक्ष्य बना रही है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है। वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों और गैस व ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत 85 प्रतिशत तेल और 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है।

माघ मेला 2023 के चतुर्थ स्नान पर्व बसन्त पंचमी के अवसर पर यातायात डायवर्जन

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माघ मेला 2023 के चतुर्थ स्नान पर्व बसन्त पंचमी के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों के वाहनों के पार्किंग, जनपद प्रयागराज से चलने वाली प्राइवेट बस के संचालन, जनपद प्रयागराज में आगमन करने वाले भारी/कामर्शियल वाहनों हेतु निम्नानुसार नोइण्ट्री/यातायात डायवर्जन व्यवस्था लागू की जायेगी। जिसका विवरण निम्नवत हैः- (1). अन्तर्जनपदीय यातायात डायवर्जनः- भारी कामर्शियल वाहनों का अन्तर्जनपदीय डायवर्जन दिनाँक 24/25.01.2023 को रात्रि 12.00 बजे से दिनाँक 27.01.2023 को रात्रि 12.00 बजे तक प्रभावी रहेगा। (2). जनपद सीमा के अन्दर नो इन्ट्री- निम्न जनपदीय नो इन्ट्री प्वाइंटों से भारी /कामर्शियल वाहनों को शहर क्षेत्र की ओर प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा, जो दिनाँक 24/25.01.2023 को रात्रि 12.00 बजे से दिनाँक 27.01.2023 को रात्रि 12.00 बजे तक प्रभावी रहेगा। उक्त नो इन्ट्री वाहन पास वाले वाहनों पर भी लागू रहेगी। **नो इन्ट्री प्वाइंट** 1.पुलिस चौकी बम्हरौली-थाना पूरामुफ्ती 2.टी0पी0 नगर तिराहा-थाना धूमनगंज 3.सहसों चौराहा-थाना सरायइनायत 4.हबूसा मोड़-थाना सरायइनायत 5.सोरांव बाई पास-थाना सोरांव 6. नवाबगंज बाईपास-थाना नवाबगंज 7.फाफामऊ-थाना फाफामऊ 8.40 नम्बर गुमटी-थाना थरवई 9.रामपुर चौराहा-थाना औद्योगिक क्षेत्र 10.घूरपुर थाना गेट-थाना घूरपुर रीवाँ मार्ग से जनपद प्रयागराज आने वाले भारी कामर्शियल वाहनों/ ट्रकों को थाना घूरपुर, गौहनिया से प्रतिबन्धित किया जायेगा।मिर्जापुर मार्ग से जनपद प्रयागराज आने वाले भारी/ कामर्शियल वाहनों /ट्रकों को रामपुर तिराहा थाना औद्योगिक क्षेत्र क्षेत्रान्तर्गत से प्रतिबन्धित किया जायेगा। वाराणसी मार्ग से जनपद प्रयागराज आने वाले भारी/ कामर्शियल वाहनों/ट्रकों को हबूसा

तिराहा थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत से प्रतिबन्धित किया जाएगा।जौनपुर मार्ग से जनपद प्रयागराज आने वाले भारी/ कामर्शियल वाहनों/ट्रकों को सहसों तिराहा थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत से प्रतिबन्धित किया जाएगा।प्रतापगढ़ मार्ग की ओर से आने वाले भारी/कामर्शियल वाहनों/ ट्रकों को सोरांव बाईपास थाना सोरांव क्षेत्रान्तर्गत से प्रतिबन्धित किया जाएगा। लखनऊ मार्ग से जनपद प्रयागराज आने वाले भारी/ कामर्शियल वाहनों/ट्रकों को नवाबगंज बाईपास थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत से प्रतिबन्धित किया जायेगा। (3). मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों हेतु पार्किंग व्यवस्थाः- मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के वाहनों का पार्किंग प्लान-.मेला में आने वाले श्रद्धालु अपने वाहन माघ मेला क्षेत्र में बने पार्किंग-हेलीपैड पार्किंग, काली सड़क पर यातायात पुलिस लाइन के सामने बनी पार्किंग, पाण्टून पुल वर्कशाप पार्किंग, प्लाट न0-17 पार्किंग एवं गल्ला मण्डी पार्किंग दारागंज में पार्क कराया जाएगा।मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक होने पर पार्किंग प्लान -(क).मिर्जापुर/ रीवां मार्ग से आने वाले वाहनों को लेप्रोसी चौराहा के बगल में नवप्रयागम पार्किंग, एग्रीकल्चर इन्स्टीट्यूट पार्किंग में पार्क कराया जाएगा। (ख).जौनपुर वाराणसी मार्ग से आने वाले वाहनों को कटका तिराहा से डायवर्ट कर मेला कछार पार्किंग, त्रिवेणी पुरम गेट पार्किंग में पार्क कराया जाएगा। (ग).कानपुर मार्ग से आने वाले वाहनों को सीएमपी डिग्री कालेज, केपी इन्टर कालेज, जार्जटाउन एसोसिएशमन मैदान,जीआईसी कालेज, सीएवी इन्टर कालेज, विश्वविद्यालय फुटबाल ग्राउण्ड, पोलो ग्राउण्ड पार्किंग में पार्क कराया जाएगा।(घ).लखनऊ व प्रतापगढ़ मार्ग से आने वाले वाहनों को कर्नलगंज इण्टर कालेज, मूकबधिर कालेज मैदान, भारत स्काउट गाइड मैदान पार्किंग, एम.एन.आई.टी. मैदान व बेला कछार फाफामऊ पार्किंग में पार्क कराया जायेगा। (4).बसन्त पंचमी पर्व दिनांक 26.01.2023 को प्रयागराज से विभिन्न जनपदों को चलने वाली प्राईवेट बसों के संचालन का विवरणः- मिर्जापुर/ रीवां मार्ग पर चलने वाली प्राईवेट बसों का संचालन-नवप्रयागम/ अरैल मोड़ तिराहे के समीप खाली स्थान से होगा, लेप्रोसी चौराहे से शहर की तरफ प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा। जौनपुर/ वाराणसी मार्ग पर चलने वाली प्राईवेट बसों का संचालन-ओल्ड जी0टी0 मार्ग पर स्थित होमगार्ड ट्रेनिंग सेन्टर तिराहे से होगा, अन्दावां चौराहा से शहर की तरफ प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।कानपुर मार्ग पर चलने वाली प्राईवेट बसों का संचालन-शेरवानी मोड़ के समीप नेहरू पार्क से होगा, शेरवानी मोड़ से शहर की तरफ प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा लखनऊ व प्रतापगढ़ मार्ग पर चलने वाली प्राईवेट बसों का संचालन- फाफामऊ पानी टंकी तिराहा से होगा, फाफामऊ पानी टंकी तिराहा से शहर की तरफ प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

वाराणसी में गंगा पार रेती में बनने वाले फोरलेन सड़क की डिजाइन तैयार

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग एवं गंगा आरती के सुगम दर्शन के लिए गंगा पार रेती पर राजघाट से रामनगर तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क और सिग्नेचर ब्रिज का डिजाइन बनने के साथ लोक निर्माण विभाग ने निजी एजेंसी से डिजाइन तैयार करा लिया है। लखनऊ में उच्च अधिकारियों ने डिजाइन पर सहमति जताते हुए लोक निर्माण विभाग को तेजी से तैयारी करने को कहा है। वहीं, बड़ा प्रोजेक्ट होने के चलते लोक निर्माण विभाग एक निजी एजेंसी से अनुबंध करने में जुटा है। कई एजेंसी लोक निर्माण विभाग के संपर्क में है, जल्द ही शासन से मुहर लगने के साथ काम शुरू हो जाएगा। गंगा पार दशाश्वमेध घाट के सामने बनेगा हेलीपैड, पार्किंग गंगा पार राजघाट से रामनगर तक प्रस्तावित 8.15 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क पर कैबिनेट में मुहर लगने के साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को जल्द से जल्द काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है। 2372 करोड़ का प्रोजेक्ट होने के कारण लोक निर्माण विभाग अपने स्तर से कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहा है। वहीं, विभाग के लिए बड़ा प्रोजेक्ट होने के कारण शासन स्तर पर निर्णय लिया गया है कि निजी एजेंसी को साथ में लिया जाए जिससे साधन और संसाधन में पूरा सहयोग करे।गंगा पार प्रस्तावित फोरलेन के लिए तैयार डिजाइन में हरियाली पर विशेष जोर दिया गया है। सड़क के किनारे आक्सीजन देने वाले पेड़ के साथ रंग-बिरंगे पौधे लगाए जाएंगे जो आकर्षण का केंद्र होगा। सड़क पर जगह-जगह प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। सड़क के किनारे दीवारों पर काशी की संस्कृति झलकेगी। यात्रियों को बैठने के लिए शेड और कुर्सी होंगे। गंगा किनारे आकर्षक ढंग की जेटी के साथ सिग्नेचर ब्रिज और हेलीपैड की भी डिजाइन बनाई गई है। तीन फिंगर जेटी (जहां जलयान को ठहराया जा सके) का निर्माण, मंदिर के लिए सिग्नेचर ब्रिज, हेलीपैड, हुनर हार्ट, फूड प्लाजा, किड्स प्ले जोन, योग सेंटर, ग्रीन पार्क, फिंगर जेटी के पास पार्किंग एवं सर्विस रोड।

सीधे प्रवेश

100% Placement

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

15% Fee Concession

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) — फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर — वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी — सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग — रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन — सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं — बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्ट्रिक मैकैनिक — कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

गुजरात के अडानी मुद्रा पोर्ट में खड़ा था टैंकर बनारस में हो गया चालान

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। ओवरलोडिंग चालान से बचने के लिए डाफी टोल प्लाजा पर फर्जी नंबर प्लेट और फर्जी फास्टैग का खेल बहुत तेजी से चल रहा है। टोल प्लाजा से गुजरने वाली ओवरलोड ट्रकों की सूची परिवहन विभाग को मिल जाती है। इसी सूची से आनलाइन चालान कर दिया जा रहा है। ओवरलोडिंग के इस खेल है कि हमारी गाड़ी का नंबर लगाकर कोई फर्जी तरीके से वाराणसी में चला रहा है, जिसने आइडीएफसी बैंक से फास्टैग ले रखा है। उसका नाम कार्तिक तथा मोबाइल नंबर 8039661888 है। प्रेमपाल ने बताया कि हमारी सभी गाड़ियों पर आइसीआइसीआइ बैंक का फास्टैग लगा है। प्रेमपाल के अनुसार उनकी 10 गाड़ियां हैं, जिसमें जीपीएस भी

में फर्जी नंबर प्लेट लगाने वालों के शिकार हो रहे कार और कुछ ट्रक मालिक। ऐसा ही मामला मूलरूप से कौलाहर, मथुरा के रहने वाले प्रेमपाल का है जिन्होंने लंका थाने में फर्जी मालिक के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। प्रेमपाल का कहना है कि इनका एलपीजी (इंडेन) गैस टैंकर गुजरात से अलीगढ़ चलता है। गाड़ी का नंबर यूपी 70 एफटी 9131 है। 16 जनवरी को इसी गाड़ी का चालान परिवहन विभाग द्वारा डाफी टोल प्लाजा में कर दिया गया, जबकि उस दिन गाड़ी मुंद्रा अदाणी कोट गुजरात में थी।प्रेमपाल का आरोप लगा है। वह अपनी सभी गाड़ियों की सूची के साथ ही जीपीएस और माल की बिल्टी भी पुलिस को दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। टोल प्लाजा हेड मनीष कुमार ने बताया कि आइडीएफसी बैंक द्वारा बनाए जा रहे फास्टैग से सबसे ज्यादा फर्जीवाड़ा चल रहा है। गिट्टी बालू लेकर चल रही गाड़ियों के मालिक बाहरी गाड़ियों का नंबर प्लेट बनाकर उसी नंबर का फास्टैग लेकर फर्जी रूप से चला रहे हैं। इस तरह के मामले को लेकर डाफी टोल प्लाजा पर अक्सर विवाद होता रहता है।

मियावाकि पद्धति,नछत्र व बटरफ्लाई पार्क पौधरोपण अनोखी पहल के पी

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा (सोनभद्र)। हिंडालको रेणुसागर पावर डिवीज़न पर्यावरण के प्रति सदैव सजग है, रेणुसागर

पर्यावरण संतुलन बेहतर बनाये रखने के लिए सदैव प्रयासरत रहता है इसी क्रम में गत दिवस ऊर्जांचल दौरे पर आये बन पर्यावरण मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार सक्सेना व टीम ने रेणुसागर स्थित पुराने ऐश बाध पर पौधरोपण किया तथा कई एकड़ में फैले राख पर बने पार्क व हरियाली देख कर गदगद होते हुए रेणुसागर प्रबंधन की तारीफ की तथा कहा कि पर्यावरण को संतुलित बनाये रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति अधिक से अधिक मात्रा में पौधरोपण जरूर करे और उससे भी ज्यादा जरुरी है कि पौधरोपण को संरक्षित और विकसित करे, अपंनी जान गवानी पड़ी , यदि हम पौधरोपण करते और उन्हे बचाते तो वह बृछ हमें चौबीस घंटे ऑक्ससीजन प्रदान करते ग् उन्होंने उपस्थित सभी से जोर देकर कहा कि पर्यावरण कि सुरक्छा के लिए हमें अपने आस पास के वातावरण को हरा भरा और परदूसण मुक्त रखने के लिए पौधरोपण जरुरी है ग् अंत में रेणुसागर पावर डिवीज़नके प्रमुख के पी यादव ने उपस्थित सभी का आभार बयक्त करते हुए कहा कि रेणुसागर प्रबंधन द्वारा प्रदूषण कि रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे है संसथान पुराने ऐश बाध पर आवासीय परिसर में भी कॉलोनी वासियो द्वारा पर्यावरण को संरक्छित करने के लिए आवंटित आवासो में फलदार पौध लगाया जा रहा है घ् साथ ही साथ संसथान पुराने ऐश बाध पर नछत्र पार्क , बटरफ्लाई पार्क के अलावा छेत्रिय परदूसण अधिकारी के पहल पर मियावाकि पद्धति द्वारा पौधरोपण किया है जो जनपद सोनभद्र का पहला पार्क है इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रशासनिक अधिकारियो के अलावा मानव संसाधन प्रमुख शैलेश विक्रम सिंह परेश ढोले व कर्नल जयदीप मिश्रा,के के मौर्या आदि उपस्थित थे ।

रेलवे के वाशिंग प्वाइंट कार्य में घटिया किस्म के ईट का प्रयोग,ठेकेदार अधिकारी की भूमिका संदिग्ध-सावित्री देवी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चोपन। केंद्र सरकार की ओर से रेलवे विभाग को अच्छी सुविधाएं देने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए देखा गया तो ईट आपस में चोट देते ही टूट जा रहा है साथ ही उसके बाद भी सब कुछ देख कर जिम्मेदार अधिकारी मौन कुंभकर्णी

जा रहे हैं। लेकिन इन विकास कार्यों को पूरा करने वाले ठेकेदार और विभाग की अनदेखी कारण विकास कार्यों में कई तरह की कोताही सामने आ रही है। धनबाद डिविजन के पूर्व मध्य रेलवे चोपन अंतर्गत प्रीतनगर में चल रहे वासिंग प्वाइंट में कार्य करने वाले ठेकेदार द्वारा पूर्ण रूप से घटिया ईट का प्रयोग किया जा रहा है जल्दबाजी में आधा से ज्यादा कार्य करवा भी दिया गया है मौके पर जाकर निद्रा में सो रहे है।महिला सुरक्षा एवं जन सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष सावित्री देवी ने कहा कि इस मामले की जांच उच्च स्तरीय अधिकारियों से करवाने की मांग की है और जो भी कर्मचारी इस लापरवाही में शामिल है उसके खिलाफ कार्रवाई किया जाए इस मामले में शिकायत मेल व ट्वीट के माध्यम से पीएमओ कार्यालय,केंद्रीय रेल मंत्री,जीएम हाजीपुर,डीआरएम धनबाद को भेजा गया है।

एनटीपीसी सिंगरौली ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को कियानमन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। भारत सरकार के निर्देशानुसार शक्तिनगर स्थित एनटीपीसी सिंगरौली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती का आयोजन किया गया, जिसके पर विचार व्यक्त करते हुए श्री बसुराज गोस्वामी,परियोजना प्रमुख ने कहा कि 'हमें आज़ादी से प्राप्त मूल्यों का सम्मान करते हुए राष्ट्र की विद्युत विकास एवं सामाजिक विकास में निरंतर योगदान करते परिसर स्थित विद्युत स्मारक पार्क का नामकरण 'नेताजी सुभाष पार्क' के रूप में किया गया था। इस कार्यक्रम में श्री एल के बेहरा,महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), श्री बिजोय कुमार सिकदर, मानव

तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिवस को यादगार बनाने एवं नई पीढ़ी को नेताजी के जीवन मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से दिनांक 23.01.2023को मुख्य अतिथि श्री बसुराज गोस्वामी ,परियोजना प्रमुख,एनटीपीसी सिंगरौली एवं उपस्थित व्यक्तियोंद्वारानेताजी की प्रतिमा पर फूलमाला एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर रहना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नेताजी के प्रेरक विचारों से इस क्षेत्र का समेकित विकास होगा एवं हम सब नेताजी के मूल्यों को आत्मसात कर राष्ट्र के प्रगति में अपना समुचित योगदान प्रदान करते रहेंगे। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर में दिनांक 23.01.2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती को विशेष बनाते हुए एनटीपीसी सिंगरौली आवासीय संसाधन प्रमुख, श्री जितेंद्र पाल सिंह (पी अंड एस विभाग प्रमुख),श्री डीके सारस्वत, अपर महाप्रबंधक (एमजीआर), श्री नीरज यादव, (सुरक्षा विभाग प्रमुख),श्री सोमित्र घोष, अपर महाप्रबंधक(सी अंड आई),एनटीपीसी सिंगरौली के वरिष्ठ अधिकारीगण, यूनियन एवं एसोशिएशन के प्रतिनिधिगण सम्मिलित हुए।

सोनभद्र के आदिवासियों में क्रांति की मशाल जलाया था नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। क्रांतिकारियों, देशभक्तों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जन्म भूमि एवं कर्मभूमि, आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के जंगली ग्रामीण इलाकों में रहने वाले आदिवासियों, पिछड़ी जाति की स्त्रियों, पुरुषों,युवाओं के हृदय में आजादी का जज्बा जगाने के लिए आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस सन 1939- 40 मैं मिर्जापुर जनपद की यात्रा कर लोगों में आजादी का अलख जगाया। विंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के निदेशक/इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी के अनुसार-ठसन 1939 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस कोलकाता से दिल्ली जाते समय मिर्जापुर आए और रेलवे स्टेशन से बग्गी पर सवार होकर लालगंज के मिलिट्री परेड ग्राउंड के सामने उपरौथ इंटर कॉलेज पहुंचे। वहां पर स्थानीय नेताओं के स्वागत, सत्कार के पश्चात मिट्टी के बने चबूतरे पर उन्होंने विशाल सभा को सभा को संबोधित किया था।नेताजी सुभाष चंद्र बोस के भाषण से इस क्षेत्र की जनता काफी प्रभावित हुई, आदिवासी नेता सैठोले कोल सभा स्थल से ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने का संकल्प लिया और मिर्जापुर- सोनभद्र के जंगलों में 10,000 से घरो मै जाकर अंग्रेजो के खिलाफ आदिवासियों को अंग्रेज खिलाफ संगठित कर अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए तैयार किया।आदिवासियों के तेवर को देखकर ब्रिटिश हुकूमत डर गई। अंग्रेज पुलिस जगह- जगह पर कोल नेता की गिरफ्तारी के लिए दबिस दिया लेकिन नाकाम रही।सन 1940

में जब देश में मुस्लिम लीग और कांग्रेस के मध्य टकराहट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी और देश में संप्रदायिकता जहर तेजी के साथ फैल रहा था, ऐसे माहौल में मिर्जापुर जनपद के कांग्रेसी नेता बैरिस्टर युसूफ इमाम के नेतृत्व में इस जनपद में स्वतंत्रता आंदोलन चलाया जा रहा था। इसी वर्ष जिला कांग्रेस कमेटी मिर्जापुर का चुनाव मे वर्तमान सोनभद्र जनपद के गुरु परासी के निवासी, मिर्जापुर के गांधी कहे जाने वाले पंडित महादेव प्रसाद चौबे को जिला अध्यक्ष चुना गया। इनके नेतृत्व में जनपद में कांग्रेस कमेटी से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने, स्वतंत्रता आंदोलन का प्रचार के लिए दो दिवसीय पांचवा राजनैतिक सम्मेलन 7-8 मार्च को लालगंज में आयोजित हुआ।इस सम्मेलन में भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, क्रांतिकारी, आजाद हिंद फौज के संस्थापक, युवाओं के दिलों की धड़कन सुभाष चंद्र बोस पधारे। इस महान क्रांतिकारी विचारों को सुनने के लिए सोनभद्र जनपद के प्रख्यात क्रांतिकारी बलराम दास केसरवानी के नेतृत्व में रॉबर्ट्सगंज, दुद्धी, बद्री प्रसाद आजाद, डॉक्टर विश्राम सिंह के नेतृत्व में चुनार तहसील, प्रख्यात गांधीवादी नेता बैरिस्टर युसूफ इमाम के नेतृत्व में मिर्जापुर तहसील से सैकड़ों आंदोलनकारी लालगंज में आयोजित पांचवें राजनीतिक सम्मेलन मैं पहुंच। इस सम्मेलन में नेताजी ने 2 घंटे तक ओजस्वी भाषण दिया और सभा में उपस्थित हजारों मंत्रमुग्ध लोगों ने उनके भाषण को सुना और गुना इसमें प्रांतीय नेता जेड अहमद ने भाषण दिया था। नेताजी का मिर्जापुर में आगमन मिर्जापुर जनपद के शहरी, ग्रामीण, आदिवासी इलाकों में रहने वाले आंदोलनकारियों पर व्यापक प्रभाव पड़ा और नवयुवक नेताजी से प्रेरित होकर कांग्रेस के साथ जुड़े मातृभूमि को आजाद कराने का संकल्प लेकर जिसका परिणाम 1940 के बाद होने वाले आंदोलन में दिखा और युवाओं ने उत्साह से ब्रिटिश साम्राज्य से लोहा लिया।

बकरी खोजने निकला युवक करंट लगने से हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला /सोनभद्र। स्थानीय चोपन थाना क्षेत्र के जवारीडाड़ के जंगल में जंगली जानवर मारने के लिए जीआई नंगा तार बिछाया गया था पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया गया इस सम्बंध मृतक के पिता राम किशुन ने बताया कि तीन बकरी देर रात तक घर पर नही आई थी, जिसको खोजने के

जिसमें विद्युत प्रवाहित होने के कारण रात के अंधेरे में बकरी खोजने गए युवक को करेंट लगने से युवक मौके पर हुई मौत क्षेत्र में फैला सनसनी, प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार की मध्य रात्रि जंगली जानवर मारने के लिए बिछाए गए विद्युत तार के चपेट में आने से मृतक राकेश गौड़ उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र राम किशुन गौड़ निवासी पतगडी, जवाडी डांड कोटा की मौत हो गई।इस घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे चोपन थानाध्यक्ष लक्ष्मण पर्वत चौकी इंचार्ज अरविंद गुप्ता व पीआरबी 112 द्वारा अग्रीम कार्यवाही करते हुए शव को लिए हम दोनो पिता पुत्र घर से एक किमी दूर निकल गए थे, अज्ञात लोगों ने जंगली जानवर मारने के लिए जमीन से एक से डेढ़ फीट ऊंचा शटरिंग में होने वाला नंगा पतला तार बिछाया गया था जिसमे विद्युत प्रवाहित हो रही थी रात के अंधेरा होने की वजह से हम दोनो लोगों को दिख नहीं सका जिसमे मेरा बेटा राकेश चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई इस सन्दर्भ में चोपन थानाध्यक्ष लक्ष्मण पर्वत ने बताया कि विद्युत करेंट के चपेट में आने से राकेश की मौत हो गई है, शव का पंचनामा करके आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने वाले दोषी विष्णु को मिली सजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व 13 वर्षीय नाबालिक लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोष सिद्ध जो कक्षा 6 की छात्रा है घर में अकेली थी और उसे बुखार आया था। वह तथा उसके पति घर पर नहीं थे। अपने परचून के दुकान पर गए थे। बेटी को अकेला पाकर पन्नूगंज थाना क्षेत्र के बभनगवा निवासी विष्णु प्रताप सिंह उर्फ शुभम सिंह पुत्र भरत सिंह उर्फ छोटई ने उसके विवेचना किया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध

पाकर दोषी विष्णु प्रताप सिंह उर्फ शुभम सिंह को उम्रकैद एवं 60 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की समूची धनराशि 60 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक पन्नूगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता की मां ने 18 सितंबर 2019 को थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी साथ जबरन दुष्कर्म किया। शोर करने पर यह धमकी दिया कि अगर किसी से बताओगी तो उसके भाई को जान से मार देगा। जब घर पहुंची तो बेटी बेहोशी हालत में पड़ी थी। उसे तियरा अस्पताल ले गई, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां से भी हालत गंभीर होने पर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। जब बेटी को होश आया तो उसने सारी बात बताई। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की पाकर दोषी विष्णु प्रताप सिंह उर्फ शुभम सिंह को उम्रकैद एवं 60 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि 60 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरी, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के तहत कन्या जन्मोत्सव मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देश के क्रम में प्रोबेशन अधिकारी राजेश कुमार खैरवार की अध्यक्षता में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक सीमा द्विवेदी, साधना मिश्रा जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ.आर. डब्ल्यू शेषमणि दुबे, सुधीर कुमार शर्मा द्वारा केक काट कर के कन्या जन्म उत्सव मनाया गया साथ ही नवजात कन्याओ के माताओं को कन्या जन्म उत्सव पर उपहार स्वरूप बेबीकीट का वितरण किया गया और कन्याओ को कन्या सुमंगला योजना का फॉर्म भरे जाने हेतु चयनित किया गया मौके पर डॉ प्रशांत शुक्ला आदि लोग उपस्थित है।

प्रधान बी डी सी स्वाभिमान संघ के जिलाध्यक्ष बने सरताज अहमद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। प्रधान बी डी सी स्वाभिमान संघ ने नया जिला अध्यक्ष सरताज अहमद को मनोनीत किया गया व कर्मा ब्लॉक अध्यक्ष सुनील कुमार को मनोनीत किया गया। इसकी जानकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार शुक्ला ने दिया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश उपाध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला मंडल संयोजक सा मानंद गुप्ता ने बताया कि बी डी सी स्वाभिमान संघ पूरे प्रदेश में बीडीसी भाइयों की आवाज को बुलंद करता है उनके हक उनके मान-सम्मान की लड़ाई को लड़ता है । जिलाध्यक्ष सरताज अहमद खान ने कहा कि प्रधान एवं बी डी सी स्वाभिमान एवं हक एवं हुकूक की के लिए सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाऊंगा। निरन्तर ग्राम पंचायत के विकास हेतु फंड एवं अधिकार के लड़ाई लड़ता रहेगा। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य शाहिद खान विवेकानंद विनीत पांडे सुनील कुमार सुनील कुमार , बलवंत प्रजापति, बाबू लाल, हकीम अहमद, सुनील कुमार व दर्जनों क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

आठ वर्ष पूर्व नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले दुद्धी विधायक ने किया समर्पण कोर्ट ने हिदायत के साथ वारंट किया निरस्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। आठ वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की को डरा धमाका कर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में विधायक को गिरफ्तार न करने वाले म्योरपुर के दरोगा को भी तलब किया गया है। अगली सुनवाई 25 जनवरी को होगी। अभियोजन पक्ष

आरोपी दुद्धी विधायक रामदुलार के विरुद्ध जारी गिरफ्तारी वारंट को सोमवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने कड़ी हिदायत के साथ निरस्त कर दिया। हालाकि कोर्ट के कटघरे में करीब दो घंटे तक विधायक को खड़े रहना पड़ा। के मुताबिक म्योरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 4 नवंबर 2014 को शाम 7 बजे उसकी नाबालिग बहन रोती हुई आई और पूछने पर बताया कि वह अब मुंह दिखाने लायक नहीं रह गई है। बहन ने बताया कि प्रधान पति रामदुलार (वर्तमान में दुद्धी विधायक हैं) ने कई बार डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया है। डर की वजह से नहीं बताती थी। आज भी शौच जाने के समय उसने जोर जबरजस्ती की है। किसी तरह से भाग कर आई हूं। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया और पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया है। इसी मामले में मुलजिम बयान हेतु तिथि नियत थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से विशेष लोक अभियोजक सत्यप्रकाश त्रिपाठी एवं दुद्धी विधायक के अधिवक्ता रामवृक्ष तिवारी उपस्थित हुए। 10 जनवरी, 17 जनवरी व 19 जनवरी को भी बीमारी का हवाला देकर अधिवक्ता के जरिए अपलिकेशन दिया गया, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। साथ ही कड़ा रुख अपनाते हुए दुद्धी विधायक रामदुलार के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए 23 जनवरी को दुद्धी विधायक को गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर कराने का आदेश सोनभद्र एसपी को दिया था। लेकिन दुद्धी विधायक रामदुलार अपने अधिवक्ता के साथ कोर्ट में दोपहर बाद करीब दो बजे हाजिर हुए। जिन्हें कोर्ट के कटघरे में खड़ा करा दिया गया। विधायक के अधिवक्ता रामवृक्ष तिवारी ने वारंट रिकाल प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें बीमारी तथा आवश्यक कार्य की वजह से कोर्ट में हाजिर न आने का कारण दर्शाया गया है। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इस हिदायत के साथ कि हमेशा नियत तिथि पर कोर्ट में हाजिर आते रहेंगे, गवाहों को डराएंगे, धमकाएंगे नहीं साथ ही दो लाख रूपये की पीबी पर वारंट निरस्त कर दिया। सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि विधायक का बयान धारा 313 के तहत दर्ज कर लिया गया। इस मामले में एसपी सोनभद्र के जरिए म्योरपुर के जिस दरोगा को विधायक को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था को कोर्ट ने तलब किया है। इस मामले में 25 जनवरी को अगली सुनवाई की जाएगी।

आईसीसी ने साल 2022 की सर्वश्रेष्ठ टी20 इंटरनेशनल टीम चुनी भारत के 3 खिलाड़ियों को मिली जगह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सोमवार को 2022 की सर्वश्रष्ठ टी20 इंटरनेशनल टीम की घोषणा की। भारत की तरफ से

विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या इस टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे। ऑस्ट्रेलिया में संपन्न टी20 वर्ल्ड कप 2022 में इंग्लैंड को चैंपियन बनाने वाले जोस बटलर को आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ टीम का कप्तान बनाया गया है। आईसीसी की 2022 की टी20 इंटरनेशनल टीम में सबसे ज्यादा भारत के तीन खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड और पाकिस्तान से दो-दो खिलाड़ियों का चयन हुआ है। न्यूजीलैंड, आयरलैंड, जिंबाब्वे और श्रीलंका की तरफ से एक-एक खिलाड़ी का चयन हुआ है। आईसीसी ने लिस्ट में कोहली के शामिल होने पर टिप्पणी की और कहा कि 2022 में उन्होंने पिछले सालों की झलकियां दिखाई हैं। आईसीसी की वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, '2022 ऐसा साल रहा, जहां विराट कोहली ने एक बार फिर पुराने समय की झलकियां दिखाईं। उन्होंने एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन किया और दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। कोहली ने तब 5 मैचों में 276 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने अपने शतक का सूखा समाप्त किया। इस फॉर्म को कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप में भी जारी रखा। पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में कोहली ने महानतम टी20 इंटरनेशनल पारियों में से एक खेली। 82 रन की पारी ने शेष टूर्नामेंट की लय तय की, जहां उन्होंने तीन और अर्धशतक जमाए व 296 रन के साथ सर्वश्रेष्ठ रन स्कोरर रहे।'यादव ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 2022 में शानदार प्रदर्शन किया, जहां वो साल के सर्वश्रेष्ठ रन स्कोरर रहे। सूर्यकुमार यादव ने 1164 रन बनाए और साथ ही आईसीसी टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बने वेबसाइट में लिखा गया, 'टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव साल 2022 में सनसनी रहे। वो एक कैलेंडर ईयर में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्?लेबाज बने। उन्होंने 1164 रन बनाए और साल के सर्वश्रेष्ठ रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। इसमें दो शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। सूर्यकुमार यादव ने टी20 वर्ल्ड कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और 189.68 के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए। उन्होंने साल का अंत नंबर-1 टी20 बल्लेबाज के रूप में किया।'जोस बटलर (कप्तान) (इंग्लैंड), मोहम्मद रिजवान (पाकिस्तान), विराट कोहली (भारत), सूर्यकुमार यादव (भारत), ग्लेन फिलिप्स (न्यूजीलैंड), सिकंदर रजा (जिंबाब्वे), हार्दिक पांड्या (भारत), सैम करन (इंग्लैंड), वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), हैरिस रउफ (पाकिस्तान) और जोश लिटिल (आयरलैंड)।

भारत हर हाल में न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप करना चाहेगा, 'रोहित ब्रिगेड' बन जाएगी नंबर-1

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय टीम मंगलवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा व अंतिम वनडे खेलने उतरेगी, तो उसकी नजरें आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग पर लगी होगी। भारतीय टीम की कोशिश न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप करने की होगी। अगर भारतीय टीम तीसरा वनडे जीतने में कामयाब

रही तो वो आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच जाएगी। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम इस समय शानदार लय में है। भारत ने न्यूजीलैंड को तीन मैचों की सीरीज के पहले दो वनडे में क्रमशः 12 रन व 8 विकेट से पटखनी देकर सीरीज अपने नाम कर ली है। मौजूदा सीरीज में भारत 2-0 की बढ़त पर है। भारतीय टीम अपने जीत के क्रम को आखिरी वनडे में भी बरकरार रखना चाहेगी।भारतीय टीम ने शनिवार को रायपुर के वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 179 गेंदें शेष रहते 8 विकेट से मात दी थी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 34.3 ओवर में 108 रन पर ऑलआउट हो गई थी। जवाब में भारतीय टीम ने 20.1 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इस तरह भारत ने सीरीज अपने नाम करते हुए 2-0 की बढ़त बनाई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे वनडे के बाद आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। भारतीय टीम दूसरे वनडे से पूर्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर थी, लेकिन इस जीत के साथ ही वो तीसरे स्थान पर पहुंच गई थी। वहीं न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में मिली शिकस्त के बाद अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया था। न्यूजीलैंड की टीम इस समय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। भारत की कोशिश आखिर वनडे जीतकर आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बनने ही होगी। भारतीय टीम का इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर रिकॉर्ड शानदार है। यहां भारतीय टीम ने अब तक 5 वनडे खेले और सभी मैच जीते। ऐसे में रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम बुलंद इरादे के साथ मैदान संभालेगी।

इंदौर के होल्कर स्टेडियम की पिच का इतिहास और वनडे रिकॉर्ड्स भारत-न्यूजीलैंड यहां भिड़ेंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा व अंतिम वनडे मंगलवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर खेला जाएगा।

भारतीय टीम मौजूदा सीरीज अपने नाम कर चुकी है और वह 2-0 की अजेय बढ़त पर है। टीम इंडिया की कोशिश न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप करने की होगी क्योंकि यहां जीतकर वो आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में नंबर-1 बन जाएगी। वैसे, होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। जब भी इस स्थान पर अंतरराष्ट्रीय या आईपीएल मुकाबला आयोजित हुआ तो बल्लेबाजों की मौज रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से पहले इंदौर के होल्कर स्टेडियम से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़ें आपको बताते हैं।टीम इंडिया का इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर रिकॉर्ड शानदार है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर एक भी वनडे मुकाबला नहीं गंवाया है। टीम इंडिया ने इंदौर में 5 वनडे खेले और सभी में जीत हासिल की है। होल्कर स्टेडियम पर भारतीय टीम जीत का 'छक्का' लगाने के इरादे से मैदान संभालेगी। भारतीय टीम ने यहां इंग्लैंड को दो बार जबकि वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को एक-एक बार शिकस्त दी है। जैसे कि पहले भी बताया गया, इंदौर के होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार है। भारत का यहां वनडे क्रिकेट में 100 प्रतिशत रिकॉर्ड है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जब मंगलवार को तीसरा वनडे खेला जाएगा तो फैंस को उम्मीद होगी कि हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिलेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 24 सितंबर 2017 को इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर आखिरी वनडे मैच खेला गया था। आरोन फिंच के शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने स्कोरबोर्ड पर 293/8 का स्कोर टांगा था। जवाब में भारत ने रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे और हार्दिक पांड्या के अर्धशतकों की मदद से 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। इस मुकाबले में कुल 11 विकेट गिरे थे। स्पिनर्स के खाते में चार विकेट आए थे।

रोहित शर्मा ने सिर्फ एक गलती की' भारतीय कप्तान को लेकर पूर्व ऑलराउंडर ने दिया बड़ा बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को रायपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार अर्धशतक जमाया।

शहीर वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए दूसरे वनडे में भारतीय कप्तान ने अपना 48वां अर्धशतक पूरा किया। शर्मा ने 50 गेंदों में सात चौके और दो छक्के की मदद से 51 रन बनाए। उनकी पारी की मदद से भारत ने 179 गेंदें शेष रहते 8 विकेट की बड़ी जीत हासिल की। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने रोहित शर्मा की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की। मगर साथ ही पठान ने बताया कि रोहित शर्मा से दूसरे वनडे में केवल एक गलती हुई। स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए इरफान पठान ने कहा, 'मैं बार-बार कहता रहा हूं कि आपको रोहित शर्मा के फॉर्म की चिंता करने की बिलकुल भी जरुरत नहीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा ने पहला अर्धशतक जमाया और यह एकदम सही समय आया।'पठान ने आगे कहा, 'रोहित शर्मा ने अपनी पारी के दौरान केवल एक गलती की, जब गेंद उनके पैड्स पर आकर लगी और एलबीडब्ल्यू अपील हुई थी। न्यूजीलैंड डीआरएस लेना चाहता था, लेकिन नहीं लिया। मगर इसके अलावा रोहित शर्मा पूरे नियंत्रित नजर आए। शानदार शॉट्स खेले। ऑफ साइड हो या लेग साइड। उन्होंने आकर्षक पारी खेली।' पठान ने रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि आगामी मैचों में वो बल्लेबाजी के कीर्तिमान स्थापित करेंगे। पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, 'स्थितियां आसान नहीं थी। वो थोड़ी मुश्किल थी। लाइट के नीचे गेंद घूम रही थी। स्कोरबोर्ड का दबाव नहीं था, लेकिन वो अपने अर्धशतक आगे आने वाले मौकों पर रोहित शर्मा बड़ा कमाल करेंगे क्योंकि वो अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। परेशानी यह है कि जब आप छोटे लक्ष्य का पीछा करते हो तो पहली ही गेंद से प्रहार करना शुरू कर देते हो। मगर रोहित शर्मा के साथ ऐसा नहीं था। उन्होंने स्थितियों की कद्र की और फिर अपने पसंदीदा शॉट्स खेले।' बता दें कि भारतीय टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को दूसरे वनडे में 179 गेंदें शेष रहते 8 विकेट से पटखनी दी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 34.3 ओवर में 108 रन पर ऑलआउट हुई। जवाब में टीम इंडिया ने 20.1 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज अपने नाम की और 2-0 की अजेय बढ़त बनाई। भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मंगलवार को इंदौर में खेला जाएगा।

भारतीय महिलाओं का अंडर 19 महिला वर्ल्ड कप में हुआ खस्ता हाल, ऑस्ट्रेलिया के सामने 87 रन पर ढेर हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर सिक्स राउंड में धमाकेदार एंट्री की थी। शेफाली वर्मा के नेतृत्व वाली

भारतीय टीम ने ग्रुप चरण के अपने सभी मुकाबले जीतकर सुपर सिक्स राउंड में प्रवेश किया था। दक्षिण अफ्रीका में खेले जा रहे में शनिवार से सुपर सिक्स के मुकाबले शुरू हुए। यहां भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। ग्रुप-1 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत को सात विकेट की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण स्वीकार किया और पूरी टीम 18.5 ओवर में केवल 87 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 13.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया की सियाना जिंजर ने 13 रन देकर सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए, लेकिन 12 रन देकर शुरुआत में दो अहम विकेट लेने वाली मिली इलिंगवर्थ को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दक्षिण अफ्रीका की जीत दिन के अन्य मुकाबलों पर ध्यान दें तो दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 5 विकेट से मात दी।

आईसीसी ने किया साल 2022 की बेस्ट टी-20 विमेंस टीम का ऐलान, भारत की 4 खिलाड़ियों ने रोशन किया देश का नाम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आईसीसी ने आज यानी 23 जनवरी को साल 2022 की सर्वश्रेष्ठ मेंस और विमेंस टी-20 टीम का ऐलान कर दिया है। बता दें कि भारत की 4 बेटियों ने एक बार फिर परचम लहरा दिया है साल 2022 की बेस्ट महिला टी-20 टीम में बल्ले, गेंद और दोनों से

जलवा दिखाने वाली 11 महिला खिलाड़ियों को टीम में चुना गया है। इसकी पुष्टि खुद आईसीसी ने की। आइये इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं टी-20 की बेस्ट विमेंस टीम में किन खिलाड़ियों का नाम शामिल है।दरअसल, हाल ही में आईसीसी ने साल 2022 की बेस्ट टी-20 विमेंस टीम को चुना है। जिसमें उन्होंने टीम की कमान न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को सौंपी है, तो वहीं साल 2022 में बेहतर प्रदर्शन करने वाली 4 भारतीय महिला खिलाड़ियों को टीम में चुना है भारतीय खिलाड़ियों में स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे पहले हैं, उनके बाद दीप्ति शर्मा ऋचा घोष और रेणुका सिंह का नाम शामिल है। साथ ही टीम में ऑस्ट्रेलिया के 3 खिलाड़ी हैं, वहीं न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका की एक-एक खिलाड़ी है। बता दें कि साल 2022 में स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 33 की औसत और 133.48 के स्ट्राइक रेट से 594 रन ठोके थे। इस दौरान उन्होंने 21 पारियों में 5 अर्धशतक भी जड़े, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ महिला एशिया कप के फाइनल मैच का अर्धशतक भी शामिल है। भारत की स्टार गेंदबाज दीप्ति ने साल 2022 में टी-20 में कुल 29 विकेट चटकाए और वह महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली तीसरी गेंदबाज बनी। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने साल 2022 में 18 मैचों में 259 रन बनाए। इसके अलावा रेणुका ने टी-20 में 6.5 की इकॉनमी रेट से 22 विकेट झटके। साल 2022: आईसीसी की बेस्ट टी-20 महिला टीम स्मृति मांधना, बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, एश गार्डनर, ताहिला मैक्ग्रा, निदा डार, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, सोफी एक्लेस्टोन, इनोका रणवीरा, रेणुका सिंह।

दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम 5 सदस्यीय सरकारी पैनल का नेतृत्व करेंगी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ ने जवाब में सभी आरोपों को खारित किया और दावा किया कि इसमें निहित स्वार्थ शामिल था। डब्ल्यूएफआई ने कहा, 'प्रदर्शनकारियों/पहलवानों द्वारा धरने और प्रेस कांफ्रेंस में बैठ कर अपने आरोप को हवा देने का तरीका निश्चित रूप से निहित स्वार्थ के लिए कुछ कमजोर पहलवानों पर दबाव डालकर या अपने लिए जमीन हासिल करने के लिए निहित स्वार्थों के गहरे और बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है। डब्ल्यूएफआई या उसके अध्यक्ष या कोच के प्रबंधन को बदनाम करना है और कुछ नहीं है।' इसमें आगे कहा गया, 'यौन उत्पीड़न का एक भी आरोप स्वीकार नहीं है। डब्ल्यूएफआई को कभी भी नोटिस या शिकायत या फिर यौन उत्पीड़न की रिपोर्ट नहीं मिली है। इसलिए इस प्रभाव में आरोप बेबुनियाद है। यह मौजूदा प्रबंधन की छवि बिगाड़ने का तरीका है।

आरोन फिंच ने लंबे-लंबे छक्के जड़कर कर दी फजीहत, एंड्रयू टाई के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। एंड्रयू टाई के लिए रविवार का दिन बेहद निराशाजनक रहा।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने बिग बैश लीग इतिहास का सबसे महंगा ओवर डाला। पर्थ स्कॉर्चर्स के तेज गेंदबाज टाई ने मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ पर्थ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पारी का 18वां ओवर किया और 31 रन खर्च किए। मेलबर्न रेनेगेड्स के आरोन फिंच ने 18वें ओवर में आखिरी तीन गेंदों पर लगातार छक्के जमाकर टाई की जमकर फजीहत की। बता दें कि टाई के सबसे महंगे ओवर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस ओवर की कहानी कुछ यू रही कि पहली गेंद पर फिंच ने लांग ऑन की दिशा में शॉट खेलकर दो रन लिए।ओवर की दूसरी गेंद पर फिंच ने थर्ड मैन की दिशा में बाउंड्री जमाई। टाई की तीसरी गेंद पर फिंच ने लांग ऑफ की दिशा में दमदार चौका जमाया। चौथी गेंद पर फिंच ने स्क्वायर लेग की दिशा में शॉट खेलकर 2 रन लिए। इस तरह चार गेंदों में 12 रन बने। अगली गेंद टाई ने कमर के ऊपर की नो बॉल डाली, जिस पर फिंच ने डीप थर्डमैन की दिशा में छक्का जड़ा। इस गेंद पर फिंच ने अपना 25वां बीबीएल अर्धशतक भी पूरा किया। टाई ने फ्री हिट वाली गेंद धीमी गति से डाली, जिसे फिंच ने लांग ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेजा। आखिरी गेंद टाई ने गुड लेंथ स्पॉट पर डाली, जिस पर फिंच ने मिडविकेट के ऊपर से छक्का जमाकर ओवर का शानदार अंत किया। इस ओवर में कुल 31 रन बने और इसी के साथ यह बीबीएल इतिहास का सबसे महंगा ओवर बना। बता दें कि बीबीएल इतिहास में सबसे महंगा ओवर डालने का शर्मनाक रिकॉर्ड एंड्रयू टाई के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड बेन हिल्फेनहास के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2016 में ओवर में 30 रन खर्च किए थे।

राशिफल

सम्पादकीय

प्रगति को नए पंख लगाएंगे जलमार्ग, आम आदमी और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए होंगे लाभदायक

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज-एमवी गंगा विलास के साथ कई अन्य अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में नदी जलमार्ग की क्षमता का लाभ लेने के नए दौर का सूत्रपात हो रहा है। वस्तुतः देश में लंबे समय से जल परिवहन में शामिल अंतर्देशीय जलमार्गों और तटीय नौवहन के विकास की आवश्यकता महसूस की जा रही है। जिन जलमार्गों को देश का प्राकृतिक पथ कहा जाता है वे अतीत में भारतीय परिवहन की जीवन रेखा हुआ करते थे। ये जलमार्ग शताब्दियों से कारोबार, उद्योग और आर्थिक शक्ति का मुख्य आधार हुआ करते थे, लेकिन अंग्रेजों के आगमन के बाद जलमार्गों की लगातार उपेक्षा हुई। खासतौर से बीती एक शताब्दी में भारत में जल परिवहन क्षेत्र बेहद उपेक्षित होता चला गया। देश की आजादी के बाद भी सड़क, रेल और वायुमार्गों की होड़ में परंपरागत जीवनदायी जलमार्ग नजरअंदाज होते गए। ज्ञातव्य है कि देश में 7,500 किलोमीटर लंबा समुद्री तट और करीब 14,500 किलोमीटर संभावित नौवहन योग्य जलमार्ग है। देश को इस विशाल नदी मार्ग पर हमेशा बहती रहने वाली नदियों, झीलों और बैकवाटर्स का उपहार भी मिला हुआ है। गौरतलब है कि देश नदी जलमार्गों की प्राचीन शक्ति का उपयोग करने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए देश की बड़ी नदियों में जलमार्ग विकसित करने के लिए नया कानून और विस्तृत कार्ययोजना लाई गई है। 2014 में देश में केवल पांच राष्ट्रीय जलमार्ग थे, अब 111 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं। परिणामस्वरूप नदी जलमार्ग के माध्यम से कार्गो परिवहन में पिछले आठ साल में तीन गुना वृद्धि हुई है। पहले यह आंकड़ा 30 लाख मीट्रिक टन था। जलमार्ग पर्यावरण की रक्षा के लिए भी अच्छे हैं और पैसे की भी बचत करते हैं। जलमार्गों के संचालन की लागत सड़क मार्गों की तुलना में ढाई गुना कम है और रेलवे की तुलना में एक तिहाई कम है। यही कारण है कि चीन और अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों ने जैसे-जैसे विकास की ओर कदम बढ़ाए वैसे-वैसे वे अपने जलमार्गों का अधिक उपयोग करने लगे। कई यूरोपीय देश अपने कुल माल और यात्री परिवहन के लिए जल परिवहन का बहुतायत में उपयोग करते हैं। इतना ही नहीं यूरोप के कई देश आपस में इसी साधन से बहुत मजबूती से जुड़े हुए हैं। उन्होंने जलमार्गों को अपनी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बना लिया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारत की नई लाजिस्टिक नीति और गतिशक्ति योजना का आगाज अभूतपूर्व रणनीतियों के साथ हुआ है। इनके तहत जल परिवहन के विकास से लाजिस्टिक लागत के बोझ को घटाया जा सकता है। इसी तरह से मैरीटाइम इंडिया मिशन देश के बंदरगाहों के विकास और लाजिस्टिक लागत घटाकर समुद्री अर्थव्यवस्था से देश को लाभान्वित करने से संबंधित है। इसके तहत बंदरगाहों के विकास के साथ ही जलमार्गों का विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। भारत सागरमाला परियोजना के तहत 574 से अधिक बंदरगाहों के विकास पर वर्ष 2035 तक 82 अरब डालर का निवेश करेगा। इससे समुद्री नौवहन क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाई जाएगी और जलमार्गों का विकास किया जाएगा। भारत में जलमार्गों की निरंतर विकास प्रक्रिया एक विकसित भारत के निर्माण के लिए मजबूत कनेक्टिविटी तथा देश के व्यापार और पर्यटन को नई ऊंचाई देने के लिए जरूरी है। भारत में हजारों किलोमीटर के जलमार्ग नेटवर्क को विकसित करने की क्षमता है। ऐसे में अब और राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास कर देश की आर्थिक-सामाजिक तस्वीर को संवारने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने होंगे। भारत में जो 125 से ज्यादा नदियां और नदी धाराएं हैं, वे लोगों और सामान के परिवहन में इस्तेमाल की जा सकती हैं। ये भारत में जलमार्ग और बंदरगाहों के साथ-साथ उनके आसपास के क्षेत्रों के विकास में मदद कर सकती हैं। जाहिर है अब जल परिवहन का बुनियादी ढांचा तैयार करने और परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए संसाधन जुटाने के लिए पीएम गतिशक्ति योजना और नई लाजिस्टिक नीति के कारगर क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। जल परिवहन क्षेत्र के विकास के लिए इस बात की वैधानिक व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी कि विभिन्न नदी तटीय इलाकों के कारखाने तथा अन्य उपक्रम अपनी माल ढुलाई में एक खास हिस्सा जलमार्गों को दें।

परीक्षाओं से दोस्ती कराती परीक्षा पे चर्चा पीएम मोदी निभा रहे ऐतिहासिक भूमिका

परीक्षाएं किसी न किसी रूप में मानव जीवन के साथ हमेशा से जुड़ी रही हैं। दसवीं या बारहवीं की स्कूली परीक्षाएं बच्चों की प्रतिभा का आकलन करने का एक माध्यम होती हैं, पर कई बार ये उनके लिए मानसिक दबाव का बड़ा कारण भी बन जाती हैं। चूंकि परीक्षाओं के बिना काम भी नहीं चलता, ऐसे में उनसे घबराने के बजाय दोस्ती करना समय की मांग है। कहने की जरूरत नहीं कि इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले पांच वर्षों से बच्चों और परीक्षाओं के बीच मैत्री कराने में एक ऐतिहासिक भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। परीक्षा पर अगली चर्चा कुछ ही दिनों में फिर होने वाली है। भारत जैसे विशाल और सामाजिक-आर्थिक विविधताओं से परिपूर्ण राष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे आयोजन की शुरुआत अपने आप में अनोखा और अत्यंत दूरदर्शी कदम है। स्कूल में खासकर परीक्षा के समय छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता था, यह किसी सरकार की चिंता का विषय नहीं होता था। जबकि यह सच्चाई रही है कि वर्तमान शिक्षा पद्धति में देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा वार्षिक परीक्षाओं के समय तनावग्रस्त होने लगता है। परीक्षा में अंक एवं बच्चों के भविष्य की चिंता और साथ ही पारिवारिक-सामाजिक दबाव के चलते विद्यार्थियों-अभिभावकों को अजीब स्थितियों का सामना करना पड़ता है। लगातार बढ़ते शहरीकरण और एकल परिवारों में बढ़ोतरी के चलते समाज में स्थिति और भी भयावह हो रही है। कई बार इसकी परिणति डिप्रेशन या आत्महत्या तक में होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 25 वर्षों में देश ने इस तरह से लगभग दो लाख विद्यार्थियों को खो दिया है, जो कि किसी भी राष्ट्र के लिए बहुत बड़ी क्षति है। इनके कारणों में परीक्षा का भय, तनाव, माता-पिता एवं अभिभावकों की एक सीमा से अधिक उम्मीदें और आत्मविश्वास की कमी आदि पाए गए हैं। इनमें कई बार समस्याएं इस प्रकार की होती हैं जिन्हें समय रहते रोका और उनका निदान किया जा सकता है, परंतु उचित मार्गदर्शन और सलाह के अभाव में ऐसा नहीं हो पाता, जिसका भुगतान छात्र और उसके परिवार को करना पड़ता है। ऐसे में हमारी भावी पीढ़ी को 'परीक्षा पे चर्चा' के माध्यम से स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का अनुभवी मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। वह कहते हैं कि परीक्षाओं के महत्व से इन्कार तो नहीं किया जा सकता है, पर हमें यह समझना होगा कि क्या ये स्कूली परीक्षाएं हमारे जीवन की एकमात्र कसौटी हैं क्या 10वीं एवं 12वीं कक्षा का स्कोरकार्ड ही किसी के जीवन का नियंता हो सकता है अथवा विद्यार्थी स्वयं भी अपना जीवन बिना स्कोरकार्ड के निर्मित कर सकता है? वह जोर देते हुए कहते हैं कि परीक्षा के गलियारों से निकली हुई जिंदगी ही जिंदगी नहीं होती है, उसके बाहर भी बहुत बड़ी दुनिया होती है। जीवन में सफलता प्राप्त करने, कुछ नया और अलग करने और एक आदर्श स्थापित करने के लिए स्कोरकार्ड का महारथी होना ही आवश्यक नहीं है। इसे वह अनेक सफल लोगों के उदाहरण देकर समझाते हैं। वह यह भी कहते रहे हैं कि परीक्षाएं हमारे जीवन का एक सहज हिस्सा होती हैं। हमें यह मानते हुए चलना चाहिए कि परीक्षा हमारी विकास यात्रा में एक और मील का पत्थर है। इसलिए तनाव न लेते हुए परीक्षाओं को उत्सव की तरह देखना चाहिए। प्रारंभिक तौर पर तो यह आयोजन बच्चों का मनोबल बढ़ाने का प्रयास दिखाई देता है, पर वास्तव में यह स्वाभिमान और आत्मसम्मान से युक्त जीवन की आधारशिला तैयार करने में सहायक होगा। 'परीक्षा पे चर्चा' पीएम मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मंत्र का ही एक हिस्सा है। इसमें प्रतिभागी किसी खास वर्ग, क्षेत्र, उम्र या जातियों और धर्मों/पंथों के न होकर भारत के सभी राज्यों, बल्कि विदेश से भी होते हैं। ये सभी एक लघु भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी ओर प्रधानमंत्री के संवाद की व्यापकता विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर को केवल परीक्षा तक ही सीमित न रखकर उसे जीवन से जोड़ देती है। विद्यार्थी जीवन की समस्याएं किसी न किसी रूप में जीवन के दूसरे पड़ाव में भी जरूर आती हैं। प्रेरणा, आत्मविश्वास, एकाग्रता, आशा, उत्साह, समय और तनाव प्रबंधन आदि ऐसे अनेक विषय हैं, जिनका विद्यार्थी हो या आम व्यक्ति जीवन भर सामना करता है। जनता से जुड़े प्रधानमंत्री इसे अच्छी तरह समझते हैं। यही कारण है कि परीक्षा संबंधित प्रश्नों के उनके उत्तर में भी जीवन का फलसफा छिपा होता है। इस प्रकार 'परीक्षा पे चर्चा' के माध्यम से पीएम मोदी देश की उस विशाल आबादी से भी जुड़ते हैं, जो आने वाले कल का आधार है। प्रधानमंत्री ने पिछली चर्चा में ध्यान और एकाग्रता की बात की। ध्यान हमें वर्तमान में उपस्थित रहना और कार्य को एकाग्रचित्त होकर करना सिखाता है, जिसका परीक्षाओं में भी लाभ होगा। यह अनायास नहीं कि 'परीक्षा पे चर्चा' आयोजन की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। 2020 में देश और विदेश से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों की संख्या 30 करोड़ तक पहुंच चुकी थी। इसका प्रमुख कारण अभिभावक की भूमिका में स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का होना और स्कूली तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के बहाने जीवन की परीक्षाओं में सफलता का मंत्र देना है। इस आयोजन से किशोरों-युवाओं समेत देश की जनता का जुड़ना निश्चित ही कई पीढ़ियों का एक साथ मार्गदर्शन प्राप्त करना है, जो दुनिया के किसी देश में आज तक नहीं हुआ है।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण और निवारण नई तकनीक निभा सकती है महत्वपूर्ण भूमिका

नववर्ष के आगमन पर जब पूरा देश नए उत्साह और नई आशाओं से लबरेज था तब राजधानी दिल्ली में एक हिट एंड रन केस ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। इससे कुछ ही दिन पहले क्रिकेटर रिषभ पंत एक सड़क हादसे में बाल-बाल बचे। पिछले वर्ष सितंबर के महीने में जाने-माने उद्योगपति साइरस मिस्त्री तो ऐसी भयावह सड़क दुर्घटना के शिकार बने कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। ये कोई इक्का-दुक्का मामले नहीं हैं। भारत में हर साल करीब डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं। यह स्थिति तब है जब भारत में विश्व के तकरीबन 10 प्रतिशत वाहन ही हैं, लेकिन सड़क हादसों में एक चौथाई लोग भारत में जान गंवाते हैं। ऐसे अनगिनत उदाहरणों और तथ्यों की कड़ी कहीं न कहीं सड़क सुरक्षा के बिंदु पर आकर जुड़ती है। ये हमें यही स्मरण कराते हैं कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे लिए तत्काल कितना महत्वपूर्ण हो गया है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि हम सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित कैसे बनाएं? दिल्ली हिट एंड रन केस के तुरंत बाद कई तरह की मांगें सामने आईं। उनमें दिल्ली पुलिस में नई भर्तियों से लेकर आरोपित ड्राइवर को मौत की सजा देने जैसी मांगें शामिल हैं, लेकिन क्या ऐसे कदम कारगर होंगे?सड़क हादसे क्यों होते हैं? इसके मुख्यतः छह कारण हैं। पहला-अंधाधुंध रफ्तार के कारण, दूसरा-ट्रैफिक नियमों को तोड़ने के कारण, तीसरा-नशे में गाड़ी चलाने या गाड़ी चलाने के दौरान नींद आने के कारण, चौथा-खस्ताहाल सड़कों या उन पर अतिक्रमण के कारण और पांचवां गाड़ियों की खराब हालत और आखिरी कारण है तत्काल चिकित्सा सहायता की अनुपलब्धता के चलते।

सड़क हादसों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है तकनीक में निवेश करना। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआइ तकनीक बड़ी सहायक हो सकती है। वाहनों को एआइ से लैस करके उनकी ट्रैकिंग संभव है। इससे वाहन की ड्राइविंग और रफ्तार के पैटर्न पर नजर रखी जा सकेगी और ड्राइवर का संपर्क स्टीयरिंग व्हील से टूटते ही पता लगाकर ड्राइवर को सतर्क किया जा सकेगा। यदि हम इसे जीपीएस से जोड़ दें और 'जियो-फेंसिंग' जैसी तकनीक का इस्तेमाल करें तो शहरी एवं दुर्घटना आशंकित क्षेत्रों में वाहनों की अधिकतम गति को अपने आप ही नियंत्रित कर सकेंगे, जिससे हादसे का खतरा कम हो जाएगा। इसी तकनीक का इस्तेमाल रात के वक्त या घने कोहरे के समय भी किया जा सकता है। चूंकि तमाम सड़क हादसे ड्राइवर की थकान या झपकी लगने के कारण होते हैं, इसलिए इस मामले में सतर्क करने वाली तकनीकें विकसित करना उपयोगी होगा। ऐसी तकनीकों में स्टीयरिंग व्हील के पैटर्न से लेकर ड्राइवर की आंखों और चेहरे की लगातार निगरानी की जाती है ताकि उसकी थकान का पता चल सके। इस प्रकार के सिस्टम को सभी ट्रकों और बसों के लिए अनिवार्य किया ही जाना चाहिए, क्योंकि उनके चालक अक्सर रात के समय और कई घंटों तक लगातार वाहन चलाते हैं। अन्य देशों के उदाहरणों पर गौर करें तो आस्ट्रेलिया ने प्रायोगिक तौर पर 'इग्निशन लाकिंग सिस्टम' लागू किया है, जिसमें जब ड्राइवर अपनी श्वास का सैंपल देता है, तभी उसकी गाड़ी स्टार्ट होती है। अगर उसने शराब पी रखी है तो उसका वाहन चालू ही नहीं होगा। यह लाक सिस्टम ड्राइवर की फोटो खींचकर अधिकारियों को सतर्क कर देगा। सिंगापुर में मैंने एक स्टार्टअप देखा जो हेलमेट के लिए वायरलेस सेंसर बनाता है। यह चालक को पहुंचने वाली किसी भी चोट की खबर उसकी लोकेशन के साथ उसके परिवार और दोस्तों को देता है, जिससे उसका बचाव तत्काल संभव हो सकता है। यह उन मामलों को कम कर देगा, जिनमें किसी व्यक्ति की जान समय पर मदद न मिल पाने के कारण चली जाती है। ऐसे ही नवाचारों के जरिये हमारी सड़कों को भी स्मार्ट बनाए जाने की जरूरत है और मानवीय निर्भरता को कम करते हुए ट्रैफिक नियमों को एआइ के इस्तेमाल से लागू किया जाना चाहिए। एआइ पर आधारित आसान तरीकों से किसी भी ओवरलोडेड ट्रक और ट्राली को ट्रैक किया जा सकेगा और उनके आकार को देखकर उन्हें रोका जा सकेगा। सड़कों पर रोशनी को कई गुना बेहतर किया जा सकता है। इसी प्रकार सड़क पर चल रहे पुराने और क्षतिग्रस्त वाहनों का पता भी एआइ का इस्तेमाल कर सुगमता से लगाया जा सकता है। निःसंदेह तमाम सावधानी बरतने के बावजूद सड़क हादसों को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं, लेकिन उसके बाद लोगों की जान बचाने के उपाय तो किए ही जा सकते हैं। दुर्घटना के बाद पहले घंटे को 'गोल्डन आवर' कहते हैं। यदि इस आरंभिक एक घंटे में प्राथमिक चिकित्सा मिल जाए तो दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की जान बचाने में मदद मिल सकती है। इसके लिए ड्राइविंग लाइसेंस लेते समय लोगों का 'फर्स्ट एड' टेस्ट पास करना अनिवार्य बनाना होगा। स्कूलों और कालेजों में भी युवाओं को आकस्मिक प्राथमिक चिकित्सा में दक्ष बनाना होगा, ताकि वे किसी भी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति के अस्पताल पहुंचने से पहले जीवन रक्षा चिकित्सा प्रदान करने में सक्षम हो सकें। कुछ समय पहले दुबई में यह देखा गया कि वहां सड़क दुर्घटना में प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने के लिए ड्रोन का उपयोग किया गया। भारत में भी इसे आजमाया जा सकता है।

ओवैसी ने केंद्र सरकार से की गोडसे पर बनी फिल्म पर रोक लगाने की मांग, खड़े किए कई सवाल

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार से नाथूराम गोडसे पर बनने वाली फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल पूछा कि क्या गोडसे पर बनी फिल्म पर उसी तरह प्रतिबंध लगाया जाएगा, जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर प्रतिबंध लगाया है। थियेटर में रिलीज ना होने की उठाई मांग एआईएमआईएम के अध्यक्ष रविवार रात हैदराबाद के पुराने शहर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि भारत सरकार को स्पष्ट रुख अपनाना होगा। उन्होंने केंद्र से फिल्म को किसी भी थियेटर में रिलीज नहीं होने की मांग उठाई है। ओवैसी ने प्रधानमंत्री से पूछा सवाल ओवैसी ने कहा, 'मोदी सरकार ने एक औपनिवेशिक युग के कानून के आधार पर भारत में यूट्यूब और ट्विटर पर बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को अवरुद्ध कर दिया है। हम प्रधानमंत्री से पूछना चाहते हैं ... क्या आप गुजरात के मुख्यमंत्री नहीं थे जब (2002) दंगे हुए थे, जब बिल्किस बानो के साथ दुष्कर्म हुआ था और कांग्रेस के एक पूर्व सांसद की हत्या कर दी गई थी।' इसके अलावा, उन्होंने प्रधानमंत्री और भाजपा नेताओं से नाथूराम गोडसे पर उनकी राय जानने की मांग की।ओवैसी ने कहा, 'गोडसे ने गांधी को मार डाला। फिर स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा आतंकवादी कौन है अब, गोडसे पर एक फिल्म बनाई जा रही है। क्या भारत के प्रधानमंत्री गोडसे पर बनी फिल्म पर प्रतिबंध लगाएंगे या लोगों से कहेंगे कि जाओ और इसे देखो। एआईएमआईएम प्रमुख ने आगे कहा, 'मैंने खुद इसे देखा है, फिल्म इस बारे में बात करती है कि गोडसे ने गांधी को क्यों मारा। मैं प्रधानमंत्री और भाजपा से पूछना चाहता हूं कि जब बीबीसी आपके बारे में कुछ दिखाता है।

रजाई से बिछोह की कल्पना, ठंड को पास आने का आमंत्रण देने जैसा

जब धूप देखने के साथ खाने में भी अच्छी लगने लगती है। जब बाजार में गेंदा और गुलाब के साथ गोभी का फूल भी बहुतायत के साथ आ जाता है। जब घर की छत पर रखी टंकी का पानी नहाने से डराने लगता है। तब रजाई रानी का मौसम आता है। आजकल यही मौसम चल रहा है। रजाई इस ठंड के समय में सबको कितनी प्यारी लगती है, यह बताने की जरूरत नहीं है। पिछले बीस-पच्चीस दिनों में जिस तरह की हाड़ कंपाने वाली शीतलहर चली है उसमें रजाई वालों ने जीते जी धरती पर ही स्वर्ग का अनुभव किया होगा। वैसे रजाई को स्त्रीलिंग मानना अर्थात 'रानी' कहना पूर्णतया सही नहीं है, क्योंकि इसका पर्यायवाची 'लिहाफ' राजा भले न हो, किंतु 24 कैरेट का पुल्लिंग तो होता ही है। बिस्तर भक्त या उपासक इस नरम-गरम ओढ़क में भगवान शिव के अर्ध नारीश्वर रूप के दर्शन कर सकते हैं। वास्तव में अपने देश में रजाई का इतिहास राजे-रजवाड़ों से भी ज्यादा पुराना है। इसका प्रमाण यह है कि राजे-महाराजे भी रजाई ओढ़ते थे। अंग्रेज जाड़े से निपटने के लिए अपने साथ चाय तो लेकर आए, किंतु रजाई की महिमा उन्होंने यहीं आकर जानी। माना जाता है कि कंबल और भ्रष्टाचार का आगमन देश में लगभग साथ-साथ हुआ। इसी के साथ कंबल ओढ़कर घी पीने की कला का विकास भी हुआ। दुशाला इस समुदाय का अपेक्षाकृत गरीब सदस्य है और चादर पिछड़े वर्ग की पहचान है।दरअसल रजाई तीन प्रकार के तत्वों-रुई, फर्द (खोल) और धागे से बनी माया है। जबकि पांच तत्वों- पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और हवा से बना यह शरीर काया कहलाता है, लेकिन रजाई माया ही है, क्योंकि ठंड में वह काया को खुद में समाने का आमंत्रण देती है। मीठी नींद और सुनहरे सपनों की दुनिया में विचरण करने का लालच देती है। अक्सर नादान मनुष्य उसके तिलिस्म में फंस जाता है और खुद को उसके हवाले कर देता है। रजाई से निकलने का मन नहीं करता। वास्तव में रजाई का त्याग करना किसी तप से कम नहीं। प्रातःकाल रजाई का त्याग करने में देरी के चलते कई आवश्यक काम धरे के धरे रह जाते हैं। इस प्रकार मनुष्य प्रदत्त तीन तत्व, ईश्वर के पांच तत्वों पर भारी पड़ जाते हैं। वैसे आजकल रुई की जगह नायलान और पता नहीं क्या-क्या भरकर रजाई बना दी जाती है, लेकिन इन सबमें रुई जैसी रूहानियत कहां। जाड़े की शुरुआत में रजाई का जब नया सत्र आरंभ होता है तो पहले उसे एक-दो दिन धूप दिखाई जाती है। इससे रजाई ओढ़ने वाले को भी ताजगी महसूस होती है। हालांकि कुछ लोग सीधे बक्से से निकालकर रजाई ओढ़ लेते हैं, जो कि गलत है। बासी रजाई में पिछले साल के भौतिक अवशेष धब्बों या सब्जी की ग्रेवी या मिठाई के खुरंट के रूप में चिपके हो सकते हैं। इसके अलावा एक रंगहीन गैस भी नाक को कृतार्थ करने को तत्पर रहती है। उसकी महक से पता लगाया जा सकता है कि पिछले साल मूली के पराठे खाने के बाद रजाई बक्से में रखी गई थी या उड़द की दाल। हमारे एक मित्र हैं। उनकी निजी रजाई कभी बक्से में नहीं रखी जाती है। इसके दो कारण हैं। पहला, मैन्यूफैक्चरिंग डिफेक्ट होने के कारण उन्हें ठंड बहुत लगती है। अतः रजाई से बिछोह की कल्पना मात्र से ही उनके शरीर का तापक्रम 98.4 डिग्री फारेनहाइट से बढ़कर 102 डिग्री फारेनहाइट हो जाता है। दूसरा कारण उनका संकल्प है। करीब दो दशक पहले जब मित्र और उनकी रजाई, दोनों जवान थे, तब उन्होंने रजाई को गले लगाकर कभी न बिछड़ने की कसम खाई थी।

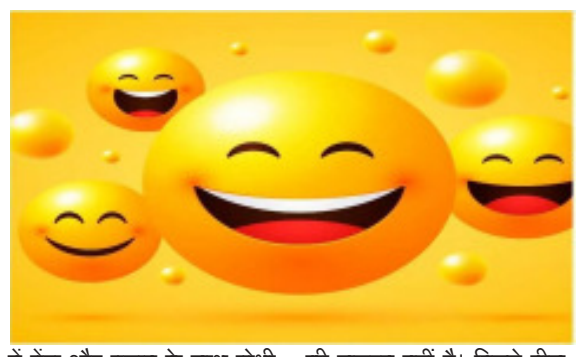

संक्षिप्त समाचार

नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष का मैहर नगर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। भारतीय जनता पार्टी सतना के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा का मैहर प्रथम नगर आगमन पर घंटाघर तिराहे सहित जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत। इसके तत्पश्चात उन्होंने मां शारदा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए सतना के लिए रवाना हो गए जहां इस मौके पर मुख्य रूप से,नगर मंडल प्रभारी डॉ रवि शंकर द्विवेदी,पूर्व पार्षद प्रमोद सिंह,रवि सर्राफ, महेश तिवारी, दिलीप त्रिपाठी, सूर्य प्रकाश चौरसिया, विष्णु चौरसिया, अनुपम सोनी, प्रकाश तिवारी, विनोद चौरसिया, संतोष पांडेय, दुर्गेश पांडेय, रोहित ताम्रकार, मधुर ओचनी,भक्ति शर्मा, संगीता अग्रवाल, सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

इष्ट फ़ाउन्डेशन ने की चाय के साथ एक नयी शुरुआत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। युवाओं द्वारा इष्ट फाउंडेशन नामक संस्था का गठन किया गया। जिसके उपलक्ष्य में ग्रेटर नोएडा स्थित सूरजपुर में ठएक नई शुरुआत चाय के साथठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राह चलते लोगों को चाय वितरित कर उनसे समाजहित मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। सूरज झा ने बताया कि युवाओं द्वारा गठित इष्ट फाउंडेशन संस्था को स्थापित करने का उद्देश्य अपने देश व समाज में जनहित के लिए शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता के प्रति और अधिक तेजी से जागरुकता फैलाना है ताकि हमारा समाज विकासशील से विकसित होते हुए अग्रसर हो। संस्था से सोनिया चौबे ने बताया कि जल्द ही संस्था के सदस्य एकजुट होकर विभिन्न राज्यों में झुग्गी बस्तियों में बसर कर रहे बच्चों को शिक्षित करने हेतु निशुल्क पाठशाला का शुभारम्भ करेंगे ताकि शिक्षा की लौ को हर एक क्षेत्र में फैलाया जा सके

सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा बने मैन ऑफ द मैच

(आधुनिक समाचार सेवा)
सतना। नगर गौरव दिवस के अवसर पर धवारी स्टेडियम में पत्रकार एकादश और प्रशासन एकादश के बीच हुए क्रिकेट के रोचक मैत्री मैच में प्रशासन एकादश की टीम बनी विजेता। सतना महापौर योगेश ताम्रकार तथा नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी ने विजेता और उप विजेता टीम को प्रदान की ट्राफी। क्रिकेट स्टेडियम धवारी में खेले गए मैत्री क्रिकेट मैच में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने शानदार बालिंग का प्रदर्शन करते हुए 4ओवर में मात्र 7 रन देकर 5 खिलाड़ियों को आउट किया। कलेक्टर श्री वर्मा के इस शानदार प्रदर्शन पर उन्हें मैन ऑफ द मैच की ट्राफी प्रदान की गई। पत्रकार एकादश की टीम पन्द्रह ओवर के मैच में आठ विकेट पर मात्र 90 रन में सिमट गई। जबकि जिला प्रशासन की टीम ने कप्तान अनुराग वर्मा के नेतृत्व में पहले टास जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया।उनकी टीम ने पन्द्रह ओवर में 169 रन बनाए।इस प्रकार जिला प्रशासन की टीम ने पत्रकार एकादश की टीम को 79 रनों से करारी शिकस्त दी।

सपा ने महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाषचंद्र बोस की जयंती धूमधाम से मनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। समाजवादी पार्टी द्वारा आजाद हिंद फौज की स्थापना करने वाले नेता जी सुभाष चंद्र बोस का

महान स्वंतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती सेक्टर 102 स्थित भंगेल कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर सपा नोएडा ग्रामीण के जिला महासचिव प्रवक्ता एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे एवं निवर्तमान व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल ने कार्यकर्ताओं के साथ सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर बोलते हुए सपा नोएडा ग्रामीण के निवर्तमान जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था। अंग्रेजों की जुल्म ज्यादती देखकर उनके मन में बचपन से ही अंग्रेजों खिलाफ गुस्सा था। उन्होंने आईएएस की परीक्षा पास की लेकिन ज्यादा दिन ब्यूरोक्रेट की नौकरी नहीं की। 1921 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी से मुलाकात हुई वहीं उन्होंने बापू को राष्ट्रपिता का दर्जा दिया। नेता जी ने तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया जिससे लाखों भारतीय उनके साथ जुड़ते चले गए। व्यापार सभा के निवर्तमान अध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि आजाद हिंद फौज बनाकर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। भारत के महान सपूत को उनकी जयंती पर शत शत नमन।इस अवसर पर व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल, सुरेंद्र गौतम, बबलू चौहान, सुबोध गोयल , बंसल , प्रशांत गौतम, राजीव गुप्ता, अनिल जिंदल,विनोद सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संस्कार केंद्र स्कूल सरफाबाद सेक्टर -73 नोएडा ने जीती सरिता मिश्र मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा।लोक मंच द्वारा आयोजित ठपहला कदम ठसांस्कृतिक प्रकल्प के अंतर्गतठ सरिता मिश्र मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफीठ में भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज की प्रतियोगिता में संस्कार केंद्र सरफाबाद सेक्टर -73 नोएडा ने ठसरिता मिश्र मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफीठ मैं बाजी मारी। प्रतियोगिता में कुल 30 बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम वर्ग में कक्षा 3 से कक्षा 5 तक के 14 बच्चे एवं द्वितीय वर्ग में कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के 16 बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता की शुरुआत गायत्री मंत्र से की गई। प्रथम वर्ग में भाषण प्रतियोगिता हुई जिसके विषय इस प्रकार थे। 1-मेरे सपनों का विद्यालय 2-मेरी दिनचर्या 3-मेरे जीवन का आदर्श 4-मेरे जीवन का लक्ष्य एवं द्वितीय वर्ग में वाद - विवाद की प्रतियोगिता हुई जिसके विषय इस प्रकार थे। 1-महिला शिक्षा वरदान या अभिशाप 2-जीवन में मोबाइल वरदान या अभिशाप

प्रथम वर्ग में पूजा ने प्रथम , प्रीति ने द्वितीय ,पलक एवं आयुष ने तृतीय स्थान में प्राप्त किया वहीं द्वितीय वर्ग में प्रथम स्थान में खुशी, द्वितीय स्थान में हर्षिता शालू एवं राखी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । आज निर्णायक मंडल में समाज के प्रबुद्धजनों ने निर्णायक की भूमिका निभाई, जिसमें रुपेश गोस्वामी, के के दीक्षित , महिपाल सिंह, श्रीमती विमलेश शर्मा ,श्रीमती रेनू शर्मा,श्रीमती रचना यादव, श्रीमती नीलम बिष्ट, श्रीमती सुंडली , श्रीमती मीता वरुण ,श्रीमती सुनीता खटाना ,लायन उमेश कुमार एवं माखनलाल जी थे। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों ने भी शिरकत की जिसमें मुख्य पी के मिश्र , गणेश शंकर त्रिपाठी, महेश सक्सेना , श्रीमती विभा बंसल श्रीमती लीका सक्सेना ,श्रीमती राजेश्वरी थ्यागराजन , श्रीमती इंद्रा चौधरी, श्रीमती पुष्पा सिंह, ,श्रीमती मीना, प्रदीप वोहरा, श्रीमती श्वेता त्यागी, महेंद्र अवाना , आर एन श्रीवास्तव , मुकुल वाजपेई , श्रीमती अनीता सक्सेना, गजानन माली एवं श्रीमती कंचन श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। नोएडा लोक मंच की कोषाध्यक्ष श्रीमती विभा बंसल ने सभी विद्यालयों का एवं उनके शिक्षकों का आभार व्यक्त किया एवं सभी निर्णायक मंडल के सदस्यों का एवं पी के मिश्र का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने नोएडा लोकमंच के साथ मिलकर यह प्रतियोगिता का आयोजन किया। अंत में पारितोषिक का वितरण हुआ एवं राष्ट्रगान के साथ यह प्रतियोगिता का समापन किया गया।

बीमा पॉलिसी कराने के नाम पर 2 करोड 67 लाख रू0 की ठगी करने वाले 2 साइबर ठग गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। साईबर सेल गौतम बुद्धनगर तथा थाना सेक्टर 20 नोएडा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुये बीमा पॉलिसी कराने के नाम पर 02 करोड 67 लाख रू0 की ठगी करने वाले 1. करुणेश कुमार द्विवेदी पुत्र रमाकान्त द्विवेदी निवासी ग्राम पैकोली बाबू थाना हाटा जिला कुशीनगर वर्तमान निवासी श्रीबालाजी एन्क्लेव पटियाला रोड थाना जीरकपुर मोहाली पंजाब 2. अनिल शर्मा पुत्र विजय कुमार उपाध्याय निवासी ग्राम बोलिया थाना कप्तानगंज जिला कुशीनगर उ0प्र0 वर्तमान पता म0न0 211 बादल कालोनी थाना जिरकपुर मोहाली पंजाब को जयपुरिया प्लाजा सेक्टर 31 से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से 02 मोबाइल फोन बरामद। वर्ष 2020 में श्री सुरेन्द्र कुमार बंसल जो कि एस्कोर्ट ग्रुप से वर्ष 2005 में सेवानिवृत हुए थे। इनके फोन पर ठगों द्वारा काल कर इन्श्योरेंस पालिसी पूर्ण होने तथा फंसे हुए पॉलिसी के पैसे को निकालने का लालच देकर, पीडित के खाते से 2

करोड 67 लाख रू0 अपने विभिन्न 14 खातों में ट्रान्सफर कराने की घटना घटित की गयी थी, इस सम्बन्ध में पीडित सुरेन्द्र कुमार बंसल की पुत्री द्वारा थाना सेक्टर 20, नोएडा पर मु0अ0सं0 761/2020 धारा 420/406/34 भादवि व 66 आईटी एक्ट पंजीकृत कराया गया था। उक्त घटना के अनावरण हेतु साईबर सेल व थाना सेक्टर 20 की संयुक्त टीम द्वारा अथक परिश्रम कर उक्त घटना का अनावरण करते हुए, उक्त दोनों अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। विवरण गिरफ्तार अभियुक्तों करुणेश कुमार द्विवेदी व अनिल शर्मा जनपद कुशीनगर के पैकोली कस्बे से भोले भाले लोगों को भ्रमित कर उनके नाम से सिम खरीद लेते थे तथा अपने साथियों 1. दुष्यन्त राणा 2. जितेन्द्र राणा 3. कैलाश उर्फ सोनी 4. शरद ठाकुर 5. आदित्य आदि के साथ मिलकर अपने प्रोफेशन के माध्यम से पूर्व से ही एकत्रित की गई, बंद पॉलिसी धारकों के डेटा में से नाम व नम्बर सर्च कर कॉल करते थे तथा पॉलिसी धारक को झूठा प्रलोभन देकर की उसकी पॉलिसी मैच्योर हो चुकी है और पॉलिसी का पैसा वापस कराने का झांस देते थे। **अभियुक्तों का विवरणः** (1) करुणेश कुमार द्विवेदी पुत्र रमाकान्त द्विवेदी निवासी ग्राम पैकोली बाबू थाना हाटा जिला कुशीनगर वर्तमान पता श्री बालाजी एन्क्लेव पटियाला रोड थाना जीरकपुर मोहाली पंजाब (2) अनिल शर्मा पुत्र विजय कुमार उपाध्याय निवासी ग्राम बोलिया थाना कप्तानगंज जिला कुशीनगर उ0प्र0 हालपता म0न0 211 बादल कालोनी थाना जिरकपुर मोहाली पंजाब पंजीकृत अभियोग व आपराधिक इतिहास का विवरण 1. मु0अ0स0 761/2020 धारा 420/406/34 भादवि व 66 आईटी एक्ट थाना सेक्टर 20 नोएडा बनाम 1- करूणेश कुमार द्विवेदी 2- अनिल शर्मा उपरोक्त 2. मु0अ0स0 91/2021 धारा 306/34/406/420 भादवि थाना महम जिला रोहतक हरियाणा। **बरामदगी का विवरणः-** 2 मोबाइल।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी चचेरा मामा गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 52/23 धारा 376 भाद0वि0 व 5/6 पोक्सो एक्ट के अंतर्गत दुष्कर्म के अभियोग का आरोपी वांछित अभियुक्त (पीडिता का चचेरा मामा) मिथुन कुमार पुत्र किशन पासवान निवासी ग्राम बटसार थाना धौरेया जिला बांका बिहार वर्तमान किरायेदार गली नं0 04 मालदा मार्केट न्यू अशोकनगर दिल्ली को हरौला सै0 05 नोएडा से गिरफ्तार किया गया। है। अभियुक्त (जो कि रिश्ते में पीडिता का चचेरा मामा) द्वारा वादी की नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। **अभियुक्त का विवरणः** मिथुन कुमार पुत्र किशन पासवान निवासी ग्राम बटसार थाना धौरेया जिला बांका बिहार हालकिरायेदार गली नं0 04 मालदा मार्केट न्यू अशोकनगर दिल्ली **पंजीकृत अभियोग का विवरणः** मु0अ0सं0 52/23 धारा 376 भाद0वि0 व 5/6 पोक्सो एक्ट थाना फेस-1 गौतमबुद्धनगर।

नेहा कश्यप ने जीता मिस सिग्निफ़िकंट फ़ेस ओफ़ इंडिया 2023 विनर का खिताब

(आधुनिक समाचार सेवा)
बाँदा । एक बार फिर बाँदा जिले की बेटी नेहा कश्यप ने जीत हासिल की और बाँदा का नाम रोशन किया नेहा कश्यप मिस सिग्निफ़िकंट ओफ़ इंडिया 2023 शो की विनर बनी बॉलीवुड स्टार मुग्धा गोडसे ने ताज पहनाकर नेहा कश्यप को सम्मानित किया हम बता दे नेहा कश्यप एक के बाद एक खिताब हासिल कर रही है कानपुर में स्थित गंगस क्लब में 22 तारीख क़ो प्रोग्राम पार्थ क्रीएशन के द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें नेहा कश्यप को विनर का ताज पहनाया गया नेहा कश्यप सेंट मेरी ज्योति नगर की रहने वाली है इस शो में चार बॉलीवुड की जाने माने सिलेब्रिटी जी टीवी ऐंकर राहुल सिंह जी ,गरूमर एक्टर सार्थक चौधरी जी एक्टर रौनि शाह जी उपस्थित रहे नेहा कश्यप का नाम हर जगह जाना जाता है ये खुद एक सिलेब्रिटी है जिन्हें बहुत सी जगह से इन्विटेशन आते रहते है बहुत जल्द नेहा कश्यप बॉलीवुड में एंट्री करेगी ओर बाँदा का नाम देश विदेश हर जगह रोशन करेगी नेहा कश्यप को कानपुर में प्रोफ़ेसनल विशाल मेकप आर्टिस्ट के द्वारा डिज़ाइनर ड्रेस बेहतरीन मेकप के साथ स्टेज पर वॉक करके जलवे बिखेर दिया विशाल मेकप आर्टिस्ट के मेकप ड्रेस की बहुत सहरना की गई नेहा कश्यप जब मंच पर आई तो पूरा माहौल तालियों से गूंज उठा ।नेहा कश्यप की मंच पर बहुत सराहना की।नेहा को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी,गई नेहा कश्यप जानी मानी कलाकार और एक बेहतरीन मॉडल है मिस बुंदेलखंड नेहा कश्यप ऐसे कई ताज अपने नाम कर चुकी नेहा मॉडलिंग के साथ साथ ऐक्टिंग की दुनिया में खूब धमाल मचाए हुए है इन्होंने कई मूवी वेबसेरीस में भी खूब काम किया है नेहा बताती है की वो अपनी फ़ैमिली और अपने बाँदा का नाम हर जगह रोशन करना चाहती है जिससे बाँदा का नाम इतिहास के पन्नो पर दर्ज हो और बाँदा को सब लोग जाने हम सभी नेहा कश्यप के उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

मंदिरों से घंटा चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश

(आधुनिक समाचार सेवा)
बाँदा । यू0पी0 के बांदा में ऑपरेशन क्लीन के तहत मंदिरो से घंटा चोरी करने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह का किया पर्दाफाश, जनपद के कई मंदिरो को बना चुके थे शिकार, घंटा चोर गिरोह को पकड़ने के लिये पुलिस ने बिछा रखा था जाल, अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी बबेरू के नेतृत्व में पुलिस 4 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार जबकि 5 अभियुक्त अभी भी है फरार, सभी आरोपी जनपद बांदा और फतेहपुर के है निवासी, पुलिस ने लगभग 3 लाख कीमत के 6 कुंतल घंटे किये बरामद साथ ही चोरी में प्रयोग किये जाने वाली बोलेरो गाड़ी भी किया बरामद, इसके अलावा चोरी के घंटो की खरीद फरोख्त करने वाले व्यापारी को भी किया गिरफ्तार।पूरा मामला बांदा जनपद के थाना बिसंडा और मरका थाने का है जहां पर घंटा चोरो ने अलग-अलग मंदिरो से घंटो की चोरी करी, जिसके बाद से बांदा पुलिस घंटा चोरो को गिरफ्तार करने के लिये जुट गयी, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 3 अभियुक्तों को पुनाहुर ओवरब्रिज बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से व 1 अभियुक्त को बबेरू थाना क्षेत्र से किया गिरफ्तार, पुलिस की कड़ाई से पूंछतांछ करने पर आरोपियों ने कई जनपदों में घंटा चोरी करने की बात कबूली साथ ही चोरी किये गये घंटो को बबेरू के बर्तन व्यापारी राजा गुप्ता व रामदीन गुप्ता के दुकान पर आधे दामों में बेंचते थे, पुलिस ने बताया सभी आरोपी जनपद बांदा और फतेहपुर के निवासी है जो कई जनपदों में घंटा चोरी के घटना को दे चुके है अंजाम।

जीएल बजाज कॉलिज ने किया निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। जीएल बजाज इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेण्ट एण्ड रिसर्च के पीजीडीएम विभाग ने एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फण्ड इन इण्डिया के सहयोग से ठधन सृजन समृद्धि का एक साधनठ विषय पर एक दिवसीय निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन के मुख्य अतिथि सेक्यूरिटीज एण्ड एक्सचेन्ज बोर्ड आफ इण्डिया के कार्यकारी निदेशक मनोज कुमार थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आजकल के परिवेश में लोगों को निवेश की प्रमाणिकता से डरना लगता है लेकिन यहाँ मै आपको आश्वस्त करता हूँ कि आपका पैसा हमारे पास सुरक्षित है। बस आपको निवेश करते समय केवल बाजार जोखिम पर ध्यान रखना होगा। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से निवेश

कर आय बढ़ाने की सलाह दी। दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता एएमएफआई के सीनियर कंसल्टेंट सूर्यकान्त शर्मा ने छात्रों को सलाह दी कि आप सभी अपने पहले वेतन से ही बचत शुरू करें। उन्होंने कहा कि भारतीय विश्व में बचत के मामले में शीर्ष पर है, लेकिन निवेश के मामले में हम पीछे रह जाते हैं। उन्होंने बताया कि अपने पैसे का बढ़ा हुआ मूल्य प्राप्त करने और अपने बचत पर अधिकतम रिटर्न के लिए हमें निवेश करना चाहिए। पीजीडीएम विभाग की निदेशिका डॉ0 सपना राकेश ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि इस जागरूकता कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा दिए टिप्स व सुझाव न केवल छात्रों को ब्लकि समस्त श्रोतागणों के लिए भी हितकारी एवं उपयोगी होगें। उन्होंने कहा कि जीएल बजाज संस्थान अपने छात्रों के व्यावसायिक एवं व्यावहारिक प्रगति हेतु ऐसे कार्यक्रमों का निरन्तर आयोजन करता रहेगा। और सभी अतिथियों का कार्यक्रम में भाग लेने के लिये आभार प्रकट किया।

दीपिका की पद्मावत के नाम सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड, क्या 5 साल बाद तोड़ेगा 'पठान'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के मौके पर बॉलीवुड के तमाम बड़े कलाकारों की फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होती रही हैं, मगर बहुत कम फिल्में ऐसी हैं, जिन्हें बड़े पैमाने पर सफलता मिली हो। इनमें शाह रुख खान, अक्षय कुमार, सलमान खान जैसे सितारे शामिल हैं। अगर पिछले 10 सालों में गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हुई फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शंस पर गौर करें तो सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड दीपिका पादुकोण की फिल्म पद्मावत के नाम है। इस फिल्म में रणवीर सिंह और शाहिद कपूर ने दीपिका के साथ प्रमुख किरदार निभाये थे। ठीक पांच साल बाद गणतंत्र दिवस के मौके पर शाह रुख खान की फिल्म पठान आ रही है और एडवांस बुकिंग की रिपोर्ट्स देखकर ऐसा लगता है कि गणतंत्र दिवस के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड बनने वाला है। संयोग से पठान की लीडिंग लेडी भी दीपिका पादुकोण ही हैं। दीपिका की पद्मावत 2018 में 25 जनवरी को रिलीज हुई थी। फिल्म ने पेड प्रीव्यूज मिलाकर लगभग 24 करोड़ की शानदार ओपनिंग ली थी। हालांकि, भारी विरोध के चलते फिल्म की रिलीज में देरी हुई थी। संजय लीला भंसाली निर्देशित फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। वैसे, पद्मावत की तरह पठान भी विवादों में रही है। दीपिका पादुकोण पर फिल्माये गये फिल्म के बेशरम रंग गाने में उनकी बिकिनी के रंग को लेकर काफी बवाल मचा

था। पिछले 10 सालों में गणतंत्र दिवस या 26 जनवरी के आसपास रिलीज होने वाली फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शंस देखें तो उनका परिणाम मिला जुला रहा है। बहुत कम फिल्में ऐसी हैं, जिन्हें हिट या सुपरहिट का टैग मिला हो। हालांकि, 2021 और 2022 के जनवरी महीनों में कोरोना वायरस पैनडेमिक के कारण वीराना छाया रहा था। 2013 से 2020 तक ऐसा रहा बॉक्स ऑफिस का मिजाज 2020 में 24 जनवरी को स्ट्रीट डांसर 3डी और पंगा रिलीज हुई थीं। पंगा को 2.70 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। फिल्म 28.92 करोड़ के लाइफ टाइम कलेक्शन के साथ फ्लॉप घोषित की गयी थी। वहीं, स्ट्रीट डांसर 3 डी को 10.36 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। लगभग 75 करोड़ के लाइफ टाइम कलेक्शन के साथ यह घाटे में रही। 2019 में 25 जनवरी को दो बायोपिक फिल्में आयीं। मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी ने 8.75 करोड़ की ओपनिंग ली थी। फिल्म का लाइफ टाइम कलेक्शन लगभग 100 करोड़ रहा था। कंगना रनोट अपनी इस फिल्म को सफल मानती रही हैं। वहीं, 6 करोड़ की ओपनिंग लेने वाली ठाकरे 31.60 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन करके फिल्म औसत रही। 2017 में 25 जनवरी को दो बड़ी फिल्मों रईस और काबिल के बीच टक्कर हुई। शाह रुख खान की रईस ने 20.42 करोड़ की ओपनिंग ली थी, जबकि 139.21 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। वहीं, काबिल ने 10.43 करोड़ की ओपनिंग ली और 127 करोड़ के आसपास लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। दोनों ही फिल्में सफल रही थीं। 2016 में 22 जनवरी को अक्षय कुमार की एयरलिफ्ट कॉमेडी फिल्म क्या कूल हैं हम रिलीज हुई थीं। एयरलिफ्ट को 12.35 करोड़ की ओपनिंग मिली और 129 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ सुपरहिट रही थी। वहीं, क्या कूल हैं हम ने 8.15 करोड़ पहले दिन जुटाये और 30.35 करोड़ का कलेक्शन करके फिल्म नुकसान में रही। 2015 में 23 जनवरी को अक्षय कुमार की बेबी और सोनम कपूर की डॉली की डोली आयी थीं। बेबी को 9.3 करोड़ की ओपनिंग मिली और 95.50 करोड़ लाइफ टाइम कलेक्शन के साथ फिल्म सफल रही। वहीं, डॉली की डोली को 2 करोड़ की ओपनिंग मिली, जबकि इसका लाइफ टाइम कलेक्शन 19.26 करोड़ ही रहा। यह फिल्म फ्लॉप रही थी। 2014 की 24 जनवरी को सलमान खान की जय हो आयी थी। इस फिल्म ने 17.50 करोड़ की ओपनिंग ली और 111 करोड़ के आसपास लाइफटाइम कलेक्शन करके फायदे में रही थी। 2013 में 25 जनवरी को रेस 2 रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 15.12 करोड़ की ओपनिंग ली थी और 102 करोड़ के लाइफ टाइम कलेक्शन के साथ सफल रही। इस फिल्म की स्टार कास्ट में सलमान खान, जॉन अब्राहम के साथ दीपिका पादुकोण भी शामिल थीं।

सामने आई 'किसी का भाई किसी की जान' की टीजर रिलीज डेट, सलमान खान ने दी अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। भाई जान के फैंस उनकी फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म से एक्टर अपना फर्स्ट लुक पहले ही जारी कर चुके हैं। अब किसी का भाई किसी की जान के टीजर रिलीज की डेट भी सामने आ गई है। इस दिन जारी होगा टीजर किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान दो अलग-अलग लुक में नजर आने वाले हैं। एक्टर के दोनों ही लुक जारी किए जा चुके है, जिसे फैंस ने पसंद भी किया था। वहीं, अब फैंस के लंबे इंतजार के बीच फिल्म के टीजर रिलीज की जानकारी शेयर कर दी गई है। सलमान खान ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर फिल्म से अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 25 जनवरी को किसी का भाई किसी की जान का टीजर अब देखों बड़े पर्दे पर...किसी का भाई किसी की जान को लेकर हाल ही में खबरें सामने आई थी कि फिल्म का टीजर शाह रुख खान की फिल्म पठान के साथ जारी किया जाएगा। अब सलमान खान ने भी अपने पोस्ट में टीजर को बिग स्क्रीन पर देखने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने पठान का जिक्र नहीं किया है, लेकिन उनके पोस्ट के बाद से अटकलें लगाई जा रही है कि किसी का भाई किसी की जान का टीजर पठान के साथ रिलीज किया जा सकता है। ये पहला मौका होगा जब लोगों को सलमान की किसी का भाई किसी की जान की पहली झलक देखने को मिलेगी। सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो भाईजान के अलावा सलमान खान के पास टाइगर 3 भी है। जो साल 2023 में ईद के मौके पर यानी 21 अप्रैल 2023 को रिलीज की जाएगी। इस बार फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु में भी रिलीज किया जाएगा। बता दें कि टाइगर 3, टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। जो रॉ एजेंट टाइगर और आईएसआई एजेंट जोया के साथ आगे बढ़ेगी। टाइगर 3 में सलमान खान और कटरीना कैफ के साथ इमरान हाशमी भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा सलमान साउथ में भी डेब्यू करने वाले हैं। वह चिरंजीवी के साथ फिल्म 'गॉडफादर' में नजर आएंगे।

इस कंटेस्टेंट को मिले सबसे ज्यादा वोट्स, निमृत-अर्चना शालीन में से डूबी इसकी नैया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बिग बॉस के घर में हर कंटेस्टेंट जी तोड़ मेहनत कर रहा है। लड़ाई हो या ड्रामा, सदस्य अपने दर्शकों को एंटरटेन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सौंदर्या शर्मा के घर से बेघर होने के बाद अब घर में सिर्फ आठ कंटेस्टेंट

बाकी है। हर कंटेस्टेंट में फिनाले रेस में शामिल होने की होड़ लगी हुई है। हालांकि, फिनाले में जनता किसे देखना चाहती है, किसे नहीं, इसका फैसला उनके वोट्स के आधार पर होता है। एक तरफ जहां सुम्बुल का गेम अप हो रहा है, तो वही फिनाले रेस में शामिल होकर भी ये कंटेस्टेंट वोटिंग में सबसे पीछे है।बिग बॉस अपने हर एपिसोड में ये मेंशन करते हैं कि ये शो दर्शकों का शो है और विजेता वही बनेगा, जो दर्शकों का दिल जीत सकेगा। बिग बॉस के 16वें वीक में आने के बाद कई कंटेस्टेंट का गेम अप हुआ, तो वही कई ऐसे रहे, जो दर्शकों का दिल नहीं जीत पाए। बीते हफ्ते जिस कंटेस्टेंट ने अपने व्यक्तित्व से सबसे ज्यादा दर्शकों को इम्प्रेस किया, वह प्रियंका चहर चौधरी हैं। द खबरी ने ट्वीट करते हुए ये जानकारी शेयर की कि 16वें हफ्ते में जिस कंटेस्टेंट को सबसे ज्यादा वोट्स मिले वह प्रियंका हैं, उसके बाद एमसी स्टैंड, तीसरे नंबर पर सुम्बुल ने अपनी जगह बनाई है। चौथे नंबर पर जो कंटेस्टेंट रहा वह शिव ठाकरे हैं और पांचवें नंबर पर अर्चना गौतम हैं।टॉप फाइव के अलावा टीना और शालीन भी अपने पूरे ड्रामे से छठे और सातवें स्थान पर अपनी जगह बनाने में कामयाब हुए हैं, लेकिन बीते हफ्ते जो दर्शकों की उम्मीदों पर बिलकुल नहीं खरा उतरा वह हैं निमृत कौर अहलूवालिया। निमृत को 16वें हफ्ते में सबसे कम वोट्स मिले हैं और वह आठवें नंबर पर हैं। आपको बता दें कि अब तक टिकट टू फिनाले की दावेदारी और कप्तानी जीतकर अभी तक सिर्फ निमृत कौर अहलूवालिया ही हैं, जिन्हें फिनाले में अपनी जगह मिली है। हालांकि उनके गेम की कई बार आलोचना हो चुकी है। घरवाले भी कई बार ये आरोप लगा चुके हैं कि बिग बॉस ने निमृत को प्लैटर पर रखकर हमेशा कैप्टेंसी दी है। हालांकि 16वें हफ्ते के बाद शिव और निमृत की थोड़ी-थोड़ी दूरियां बढ़ने लगी हैं और अब देखना ये है कि क्या उनका कोई गेम फिनाले में निकल के आता है या फिर इतना करीब पहुंचकर वह आउट हो जाती हैं।

केएल राहुल की दुल्हनिया बनेंगी अथिया, शादी में किए गए खास इंतजाम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। एक्ट्रेस अथिया शेट्टी और भारतीय बल्लेबाज के एल राहुल अपनी शादी को लेकर खबरों में छाए हुए हैं। दोनों के वेडिंग वेन्यू से लेकर मेहमानों की लिस्ट तक, लगभग हर डिटेल

जानने के लिए फैंस इंतजार कर रहे हैं। बीते रात अथिया और के एल राहुल का संगीत सेरेमनी थी, जहां बॉलीवुड और क्रिकेट वर्ल्ड के कई सेलेब्स पहुंचे। अब आज यानी 23 जनवरी को कपल शादी के बंधन में बंधने वाला है।अथिया शेट्टी और के एल राहुल की शादी सुनील शेट्टी के खंडाला स्थित शानदार बंगले में हो रही हैं। शादी का वेडिंग वेन्यू अपने डेकोरेशन के लिए पहले ही खबरों में बना हुआ है। वहीं, संगीत सेरेमनी की मस्ती और सितारों से सजी शान ने अथिया और के एल राहुल की शादी को और चर्चा में ला दिया हैं। अब वेडिंग से जुड़ी और भी डिटेल्स सामने आ रही हैं, इनमें डिनर से लेकर अथिया के लंहगे तक, कई जानकारियां शामिल हैं। अथिया शेट्टी और के एल राहुल की शादी का मुहूर्त शाम को बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कपल 23 जनवरी, 2023 को शाम 4 बजे सात फेरे लेगा। इसके बाद न्यूली मैरिड कपल मीडिया से भी मुखातिब होगा। बीते दिन सुनील शेट्टी ने बताया था कि शादी के बाद उनकी बेटी और दामाद शाम 6:30 बजे मीडिया से मुलाकात करेंगे। अथिया शेट्टी और के एल राहुल की शादी में साउथ इंडिया टच देखने को मिलगा। ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, शादी में आए मेहमानों को खाना केले के पत्ते पर सर्व किया जाएगा। अथिया और के एल राहुल की शादी में गिने- चुने मेहमान ही शामिल होने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस स्टार स्टडेड वेडिंग में लगभग 100 मेहमानों को इनवाइट किया गया है। इसके अलावा गेस्ट के लिए नो फोन पॉलिसी रखी गई है यानी सिक्योरिटी को बनाए रखने के लिए शादी में मेहमानों को बिना फोन एंट्री करना होगा। अथिया शेट्टी और केएल राहुल लगभग पांच सालों तक एक- दूसरे को डेट करने के बाद अब हमेशा के लिए हमसफर बनने जा रहे हैं। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुए था और ये मुलाकात दोस्ती से शुरू होकर शादी में बदलने जा रही है। अथिया और केएल राहुल ने अपने रिलेशनशिप को काफी समय तक छिपाकर रखा था, लेकिन एक्ट्रेस ने भाई अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म तड़प की स्क्रीनिंग पर अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया।

छह कंटेस्टेंट्स ने शालीन का किया घर में रहना मुश्किल लेकिन इस एक सदस्य का पिघला दिल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बिग बॉस का गेम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, कुछ कंटेस्टेंट की सफर इस शो में और भी मुश्किल होता जा रहा है। 16वें जहां हफ्ते में फिनाले के करीब पहुंचकर सौंदर्या शर्मा घर से बेघर हो गईं, तो वही दूसरी तरफ शालीन ने पिछले हफ्ते काफी तमाशा किया। सौंदर्या जब तक थीं शालीन के पास कोई न कोई कंटेस्टेंट बात करने को था, लेकिन उनके जाने के बाद बचे हुए छह कंटेस्टेंट ने शालीन भनोट की हरकतों को देखते हुए

उनका घर में रहना मुश्किल कर दिया है। हालांकि अब भी एक कंटेस्टेंट है, जिसको उनकी इस हालत को देखकर तरस आ रहा है।शुरुआत से ही शालीन भनोट पर कभी एक्टिंग करने, तो कभी सभी घरवालों के बारे में बकवास करने का लांछन लगता रहा है। 13 हफ्तों तक टीना उनसे लड़ झगड़कर भी उनके साथ थीं, लेकिन अब उनसे भी उनकी दोस्ती खत्म हो चुकी है। सौंदर्या के जाने के बाद अब शालीन से कोई बात नहीं कर रहा है, जिससे शालीन काफी टूटे नजर आए। बिग बॉस के मेकर्स ने अपने आगामी एपिसोड का हाल ही में एक नया प्रोमो शेयर किया है। इस प्रोमो में शालीन भनोट शिव और एमसी स्टैन को ये बताते हुए नजर आ रहे हैं कि उन्होंने प्रियंका से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। वीडियो में आगे शालीन उन्हें कहते हैं कि प्रियंका-टीना जिस तरह से हंस रहे हैं, वह उनसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं हो रहा है। वह शिव और एमसी स्टैन से ये दरख्वास्त करते हैं कि वह अब और चार दिन बिग बॉस हाउस में नहीं रह सकते, इसलिए वह उन्हें बेघर होने के लिए नॉमिनेट कर दें। शालीन को रोते-बिलखते देखकर निमृत कौर अहलूवालिया ने इसे सिम्पैथी कार्ड बताया। टीना-प्रियंका भी उन पर जोर-जोर से हंसते हंसते हुए दिखाई दिए। लेकिन सुम्बुल तौकीर को एक्टर पर तरस आ गया और उन्होंने निमृत से कहा कि अब शालीन से बात करने के लिए कोई भी नहीं है ना।शालीन भनोट को रोता हुआ देख भले ही सुम्बुल का दिल पिघल गया हो, लेकिन लोगों का दिल बिलकुल भी नहीं पिघला। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'सिम्पैथी कार्ड खेल रहा है ये, ओवर की भी ओवर एक्टिंग'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'प्रियंका ने बिलकुल सही कहा, कर्मा हमेशा होते हैं, जो अब शालीन को मिल रहे हैं'। अन्य यूजर ने लिखा, 'जो आप दूसरों के साथ करते हो आज वही आपके पास वापस आया है'।

जारी हुआ रणबीर-श्रद्धा की फिल्म का ट्रेलर, देखें झूठी और मक्कार की कहानी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म तू झूठी मैं मक्कार को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म अपने टाइटल की वजह से पहले ही लोगों का ध्यान खींच रही है।

फैंस की बेसब्री के बीच अब सोमवार को फिल्म का ट्रेलर भी जारी कर दिया गया है। तू झूठी मैं मक्कार के ट्रेलर से पहले मेकर्स ने फिल्म का टाइटल प्रोमो जारी किया था, इस प्रोमो को काफी पसंद किया गया था। प्रोमो के सामने आने के बाद से दर्शक फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। सोशल मीडिया पर तू झूठी मैं मक्कार का अच्छा खासा बज बना हुआ है। अब फिल्म का ट्रेलर भी सामने आ गया है। यहां देखें वीडियो, तू झूठी मैं मक्कार का डायरेक्शन मॉर्डन दौर की लव स्टोरी दिखाने के लिए मशहूर निर्देशक लव रंजन ने किया है। वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन की जिम्मेदारी टी-सीरीज और लव फिल्म्स ने ली है। फिल्म होली के मौके पर रिलीज की जाएगी। तू झूठी मैं मक्कार इस साल 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। तू झूठी मैं मक्कार के स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में रणबीर और श्रद्धा के अलावा डिंपल कपाड़िया, बोनी कपूर और आयशा रजा मिश्रा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इनके अलावा स्टैंड अप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी भी फिल्म का हिस्सा हैं। तू झूठी मैं मक्कार रणबीर कपूर की आखिरी रॉमकॉम (रोमांटिक) फिल्म है। एक्टर हमेशा से चॉकलेटी हीरो की पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते रहे हैं, लेकिन हाल ही में रणबीर ने घोषणा की थी कि लव रंजन की फिल्म उनकी आखिरी रॉमकॉम फिल्म होगी। तू झूठी मैं मक्कार के अलावा रणबीर इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल की शूटिंग भी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ पुष्पा फेम एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं।

बॉलिवुड सेलेब्स ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पराक्रम दिवस के अवसर पर पीएम मोदी ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह के 21 अनाम आइसलैंड के नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर करने का

ऐलान किया है। उनके इस डिसीजन से बॉलीवुड सेलेब्स में काफी खुशी है। अजय देवगन, सुनील शेट्टी, सिद्धार्थ मल्होत्रा और अनुपम खेर जैसे बॉलीवुड सेलेब्स ने पीएम मोदी को उनके इस डिसीजन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सेलेब्स ने ट्वीट कर अपनी खुशी जाहिर की है। मेजर विक्रम बत्रा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है जिससे बड़े पर्दे पर विक्रम बत्रा का रोल प्ले करने वाले सिद्धार्थ मल्होत्रा में काफी खुशी है। सिद्धार्थ ने पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए ट्वीट किया, 'अंडमान और निकोबार में एक द्वीप का नाम हमारे हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा के नाम पर रखने की खबर से ही मेरे रोंगटे खड़े हो गए हैं! मुझे काफी प्राउड फील हो रहा है, कि मुझे विक्रम बत्रा का रोल प्ले करने का मौका मिला। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा लिया गया ये फैसला ये बताता है कि शेरशाह हमेशा जिंदा रहेगा। बेटी अथिया शेट्टी और केएल राहुल की शादी की तैयारियों में बिजी सुनील शेट्टी ने भी इस फैसले के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा, 'धन्यवाद माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, महान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती पर अंडमान निकोबार के 21 द्वीपों का नाम 21 परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं, हमारे देश के सच्चे नायकों के नाम पर रखने के लिए। गर्व है। क्षजयहिन्द क्षपराक्रम दिवस।' ऑनस्क्रीन लेफ्टिनेंट मनोज कुमार का रोल प्ले करने वाले अजय देवगन ने इस फैसले को अगली पीढ़ी को प्रेरित करने वाला बताया है। उन्होंने ट्वीट किया, 'कैप्टन मनोज कुमार पांडे (परम वीर चक्र) के नाम पर एक द्वीप का नाम रखने का निर्णय आश्वस्त कर रहा है कि मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान का उदाहरण वह हमें छोड़कर आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

मां की शिकायत पर पत्नी के खिलाफ वर्सोवा थाने में रिपोर्ट दर्ज, ये है पूरा मामला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मंझे हुए कलाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी भले ही अपनी शानदार एक्टिंग से हर किसी का दिल जीत लेते हैं, लेकिन अपनी निजी जिंदगी को लेकर वह अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। नवाजुद्दीन पहले अपनी पत्नी आलिया उर्फ जैनब से अपने रिश्ते में तनाव के चलते चर्चा में आ चुके हैं और अब खबर है कि एक्टर की मां ने अपनी बहू जैनब के खिलाफ वर्सोवा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसके बाद नवाजुद्दीन की पत्नी को पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए बुलाया गया है।समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट्स के मुताबिक नवाजुद्दीन सिद्दीकी की मां

मेहरूनिसा सिद्दीकी की शिकायत पर पुलिस ने एक्टर की दूसरी पत्नी जैनब पर रिपोर्ट दर्ज की है। वर्सोवा पुलिस ने जैनब को सवाल-जवाब के लिए बुलाया। वर्सोवा पुलिस की मानें तो नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का उनकी मां से झगड़ा हो गया था, जिसके आधार पर ये रिपोर्ट दर्ज की गई है। आपको बता दें कि नवाजुद्दीन, नवाजुद्दीन की मां मेहरूनिसा और उनकी पत्नी जैनब उर्फ आलिया के बीच किसी प्रॉपर्टी को लेकर बहस हो गई थी।नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने दो शादी की हैं। पहली शादी एक्टर ने अपनी मां की पसंद की लड़की शीबा से की थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नवाजुद्दीन को शीबा बहुत पसंद थी, लेकिन उनके भाई की दखलअंदाजी के कारण दोनों का रिश्ता टूट गया और दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए। इसके बाद नवाजउद्दीन सिद्दीकी ने दूसरी शादी साल 2010 में अंजलि से की थी। अंजलि संग उनकी लव मैरिज थी। एक्टर से शादी करने के लिए अंजलि ने अपने धर्म के साथ-साथ अपना नाम भी बदला और उन्होंने अपना नाम बदलकर जैनब कर लिया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।